

وَمَنْ يَقْنُتْ مِنْكُمْ لِلَّهِ وَرَسُولِهِ وَتَعَمَلْ صَالِحًا

और जो तुम में से अल्लाह और उस के रसूल की ईताअत और आमावे सालेहा करेगी

تُؤْتِيَهَا أَجْرَهَا مَرَّتَيْنِ ۖ وَأَعْتَدْنَا لَهَا رِزْقًا كَرِيمًا ۝

तो हम उसे उस का अजर दूगना देंगे. और हम ने उस के लिये बाईजजत रिजक तैयार कर रखा है.

يُنِسَاءَ النَّبِيِّ لَسْتُنَّ كَأَحَدٍ مِنَ النِّسَاءِ إِنِ اتَّقَيْتُنَّ

अे नबी की बीवियो! तुम दूसरी आम औरतों में से किसी अेक की तरह नहीं हो अगर तुम मुत्तकी बन कर रहो,

فَلَا تَخْضَعْنَ بِالْقَوْلِ فَيَطْعَمَ الَّذِي فِي قَلْبِهِ مَرَضٌ

तो ओलने में आवाज पस्त मत करो के कहीं लालय करने लगे वो शप्स जिस के हिल में बीमारी हो

وَقُلْنَ قَوْلًا مَّعْرُوفًا ۝ وَقرْن فِي بُيُوتِكُنَّ

और बात वो करो जो ललाई वाली हो. और अपने घरों में ठेहरी रहो

وَلَا تَبْرَجْنَ تَبَرُّجَ الْجَاهِلِيَّةِ الْأُولَىٰ وَأَقِمْنَ الصَّلَاةَ

और पेहली वाली ज़हिलीयत के तर्ज पर बनाव सिंगार को जुला मत रेहने दो और नमाज काईम करो

وَآتِينَ الزَّكَاةَ وَأَطِعْنَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ إِنَّمَا يُرِيدُ

और जकात दो और अल्लाह और उस के रसूल की ईताअत करो. अल्लाह तो सिई ये

اللَّهُ لِيُذْهِبَ عَنْكُمُ الرِّجْسَ أَهْلَ الْبَيْتِ وَيُطَهِّرَكُمْ

याहता है के तुम से गन्दगी को हूर रहे, अे ओहले भयत! और तुम्हें पाक

تَطْهِيرًا ۝ وَاذْكُرْنَ مَا يُثْلِي فِي بُيُوتِكُنَّ

साई रहे. और याद करो उस को जो तिलावत किया जाता है तुम्हारे घरों में

مِنْ آيَاتِ اللَّهِ وَالْحِكْمَةِ ۚ إِنَّ اللَّهَ كَانَ لَطِيفًا خَبِيرًا ۝

अल्लाह की आयात और डिहमत में से. यकीनन अल्लाह भारीकभीन, बाभबर है.

إِنَّ الْمُسْلِمِينَ وَالْمُسْلِمَاتِ وَالْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ

यकीनन मुसलमान भई और मुसलमान औरतें और ईमान वाले भई और ईमान वाली औरतें

وَالْقَنَاتِينَ وَالْقَنَاتِ وَالصَّدِيقِينَ وَالصَّدِيقَاتِ

और आजिजी करने वाले भई और आजिजी करने वाली औरतें और सय ओलने वाले भई और सय ओलने वाली औरतें

وَالصَّبْرِينَ وَالصَّبْرَاتِ وَالْخَشَعِينَ وَالْخَشَعَاتِ

और सभ्र करने वाले भई और सभ्र करने वाली औरतें और भुशूअ करने वाले भई और भुशूअ करने वाली औरतें

وَالْمُتَصَدِّقِينَ وَالْمُتَصَدِّقَاتِ وَالصَّامِعِينَ وَالصَّامِعَاتِ

और सद्दका देने वाले मर्द और सद्दका देने वाली औरतें और रोजा रखने वाले मर्द और रोजा रखने वाली औरतें

وَالْحَافِظِينَ فُرُوجَهُمْ وَالْحَافِظَاتِ وَالذَّاكِرِينَ اللَّهَ كَثِيرًا

और जो मर्द अपनी शर्मगाछों की हिफाजत करने वाले हैं और जो औरतें अपनी शर्मगाछों की हिफाजत करने वाली हैं और जो मर्द अल्लाह को बहुत

وَالذَّاكِرَاتِ ۚ أَعَدَّ اللَّهُ لَهُمْ مَغْفِرَةً وَأَجْرًا عَظِيمًا ﴿٢٥﴾

जयादा याद करने वाले हैं और जो औरतें अल्लाह को बहुत जयादा याद करने वाली हैं अल्लाह ने उन के लिये मगफिरत और अजर अजीम तैयार कर रखा है.

وَمَا كَانَ لِمُؤْمِنٍ وَلَا مُؤْمِنَةٍ إِذَا قَضَى اللَّهُ وَرَسُولُهُ

और किसी मोमिन मर्द और मोमिन औरत के लिये जायज नही है कि जब अल्लाह और उस का रसूल किसी मुआमले का

أَمْرًا أَنْ يَكُونَ لَهُمُ الْخِيَرَةُ مِنْ أَمْرِهِمْ وَمَنْ يَعْصِ

कैसला कर दे तो उन के लिये अपने मुआमले में कुछ भी छित्तियार हो. और जो अल्लाह और

اللَّهُ وَرَسُولُهُ فَقَدْ ضَلَّ ضَلَالًا مُبِينًا ﴿٢٦﴾

उस के रसूल की नाफरमानी करेगा तो वो भुली गुमराही में भटक गया.

وَإِذْ تَقُولُ لِلَّذِي أَنْعَمَ اللَّهُ عَلَيْهِ وَأَنْعَمْتَ عَلَيْهِ أَمْسِكْ

और जब आप इरमा रहे थे उस शप्स को के जिस पर अल्लाह ने ईन्आम इरमाया और आप ने भी उस पर ईन्आम इरमाया के

عَلَيْكَ زَوْجَكَ وَاتَّقِ اللَّهَ وَتُخْفِي فِي نَفْسِكَ مَا اللَّهُ

तू अपनी बीवी अपने पास रखने दे और अल्लाह से डर छालाके आप अपने जो में छुपा रहे थे वो जिस को अल्लाह

مُبْدِيهِ وَتَحْشَى النَّاسَ ۚ وَاللَّهُ أَحَقُّ أَنْ تَخْشَاهُ ۖ

जखिर करने वाला था और आप ईन्सानों से डरते थे. और अल्लाह ईस का जयादा डकदार है के आप उस से डरे

فَلَمَّا قَضَىٰ زَيْدٌ مِنْهَا وَطَرًا زَوَّجْنَاهَا لِكَيْ لَا يَكُونَ

किर जब जैद बिन खरिसा ने जयनब से छजत पूरी कर ली तो हम ने जयनब आप के निकाल मेदे दी, ताके ईमान

عَلَى الْمُؤْمِنِينَ حَرَجٌ فِي أَرْوَاحٍ أَدْعِيَائِهِمْ إِذَا قَضَوْا

वालों पर कोई डरज न रहे उन के मुंड बोले बेटों की बीवियों के बारे में जब वो उन से

مِنْهُمْ وَطَرًا ۖ وَكَانَ أَمْرُ اللَّهِ مَفْعُولًا ﴿٢٧﴾ مَا كَانَ

गर्ज पूरी कर ले और अल्लाह के हुक्म को तो पूरा होना ही था. नबी (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) पर कोई

عَلَى النَّبِيِّ مِنْ حَرَجٍ فِيمَا فَرَضَ اللَّهُ لَهُ ۖ سُنَّةَ اللَّهِ

तंगी नही उस में जो (पुद्) अल्लाह ने उन के लिये मुकदर कर दिया. अल्लाह का हस्तूर रखा है

فِي الَّذِينَ خَلَوْا مِنْ قَبْلُ ۖ وَكَانَ أَمْرُ اللَّهِ قَدَرًا

उन (पैगम्बरों) में भी जो पहले गुजर चुके हैं. और अल्लाह का अम्र कड़ा व कहर पूरा

مَقْدُورًا ۚ الَّذِينَ يُبَلِّغُونَ رِسَالَاتِ اللَّهِ

उो कर ही रेहता है. पैगम्बर वो लोग हैं जो अल्लाह के पैगामात पહोँचाते हैं

وَيَخْشَوْنَهُ وَلَا يَخْشَوْنَ أَحَدًا إِلَّا اللَّهَ ۚ وَكَفَىٰ بِاللَّهِ

और अल्लाह से डरते हैं और अल्लाह के सिवा किसी से नहीं डरते. और अल्लाह हिसाब लेने वाला

حَسِيبًا ۚ مَا كَانَ مُحَمَّدٌ أَبَا أَحَدٍ مِّن رِّجَالِكُمْ

काही है. मुहम्मद (सल्लल्लाहु अलयहि व सल्लम) तुम्हारे मरहों में से किसी अेक के बाप नहीं,

وَلَكِن رَّسُولَ اللَّهِ وَخَاتَمَ النَّبِيِّينَ ۚ وَكَانَ اللَّهُ بِكُلِّ شَيْءٍ

लेकिन वो अल्लाह के रसूल हैं और तमाम अम्बिया के भातम है. और अल्लाह हर चीज को ખૂબ જાનने

عَلِيمًا ۚ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا اذْكُرُوا اللَّهَ ذِكْرًا

वाले हैं. अे ઈમાન વાલો! તુમ અલ્લાહ કી યાદ બહોત ઝયાદા

كَثِيرًا ۚ وَسَبِّحُوهُ بُكْرَةً وَأَصِيلًا ۚ هُوَ الَّذِي

ક્રિયા કરો. और उस की तस्बीહ करो सुबह व शाम. वही अल्लाह है जो

يُصَلِّي عَلَيْكُمْ وَمَلَائِكَتُهُ لِيُخْرِجَكُم مِّنَ الظُّلُمَاتِ

તુમ પર રહમત ભેજતા છે और उस કે ફરિશ્તે ભી તાકે અલ્લાહ તુમહે અન્ધેરોં સે નૂર કી

إِلَى النُّورِ ۚ وَكَانَ بِالْمُؤْمِنِينَ رَحِيمًا ۚ تَحِيَّتُهُمْ يَوْمَ

તરફ નિકાલે. और वो ઈમાન વાલોં પર બહોત ઝયાદા શફકત વાલા છે. ઉન કા તહીય્યા જિસ દિન

يَلْقَوْنَهُ سَلَامٌ ۚ وَأَعَدَّ لَهُمْ أَجْرًا كَرِيمًا ۚ يَا أَيُّهَا

વો ઉસ સે મિલેગે સલામ હોગા. और અલ્લાહ ને ઉન કે લિયે ઈજાત વાલા સવાબ તૈયાર કર રખા છે. અે

النَّبِيُّ إِنَّا أَرْسَلْنَاكَ شَاهِدًا وَ مُبَشِّرًا وَ نَذِيرًا ۚ

નબી! યકીનન હમ ને આપ કો રસૂલ બના કર ભેજા ગવાહી દેને વાલા और બશારત સુનાને વાલા और ડરાને વાલા.

وَدَاعِيًا إِلَى اللَّهِ بِإِذْنِهِ وَسِرَاجًا مُّنِيرًا ۚ وَبَشِّرِ

और અલ્લાહ કી તરફ ઉસ કે હુકમ સે દાવત દેને વાલા और નૂર ફેલાને વાલા ચિરાગ બના કર ભેજા છે. और ઈમાન

الْمُؤْمِنِينَ بِأَنَّ لَهُم مِّنَ اللَّهِ فَضْلًا كَبِيرًا ۚ وَلَا

વાલોં કો બશારત દીજિયે ઈસ બાત કી કે ઉન કે લિયે અલ્લાહ કી તરફ સે બડા ફઝલ છે. और

تُطِيعُ الْكَافِرِينَ وَالْمُنَافِقِينَ وَدَعُ أَذْيَهُمْ وَتَوَكَّلْ

કાફિરોં और मुनाफ़िक्कीन का केडना न मानिये और उन की तरफ़ से जो तकलीफ़ पड़ोये उस की परवा न कीजिये और अल्लाह पर

عَلَى اللَّهِ وَكَفَى بِاللَّهِ وَكِيلًا ﴿٢٣﴾ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا

तवक्कुल कीजिये. और अल्लाह काही कारसाज है. એ ઈમાન વાલો!

إِذَا نَكَحْتُمُ الْمُؤْمِنَاتِ ثُمَّ طَلَقْتُمُوهُنَّ مِنْ قَبْلِ

જબ તુમ નિકાહ કરો ઈમાન વાલી औरतों से, फिर तुम उन को तलाक दो इस से पेહले

أَنْ تَتَسَوَّهْنَ فَمَا لَكُمْ عَلَيْهِنَّ مِنْ عِدَّةٍ تَعْتَدُونَهَا ۚ

કે તુમ उन को છुओ तो तुम्हारे लिये उन पर कोई एदत नहीं जिस को तुम शुमार करो.

فَتَتَعَوَّهْنَ وَسَرَخُوهُنَّ سَرَاحًا جَمِيلًا ﴿٢٤﴾ يَا أَيُّهَا النَّبِيُّ إِنَّا

तो तुम उन को कुछ मताअ दे दो और अच्छी तरह रुખसत कर दो. એ નબી! હમ ને

أَحْلَلْنَا لَكَ أَزْوَاجَكَ الَّتِي أَتَيْتَ أَجُورَهُنَّ وَمَا مَلَكَتْ

આપ કે લિયે આપ की બીવियां હલાલ की हैं जिन को आप मउर दे चुके हैं और आप की मम्लूका બાન્દियाં ભી જો અલ્લાહ

سَمِيْنُكَ مِمَّا آفَاءَ اللَّهِ عَلَيْكَ وَبَنَاتِ عَمِّكَ وَبَنَاتِ

ને આપ को गनीमत में से दिलावाए हैं और હલાલ की हैं આપ કે ચચા की બેટियाં और આપ की ફૂફियों કે બેટियाં

وَبَنَاتِ خَالِكَ وَبَنَاتِ خُلَّتِكَ الَّتِي هَاجَرْنَ مَعَكَ ۚ

और आप के मामूं की बेटियां और आप की ખાલાઓ की બેટियाં, जिन्हों ने आप के साथ હિજરત की.

وَأُمَرَاءَ مُؤْمِنَةٍ إِنْ وَهَبَتْ نَفْسَهَا لِلنَّبِيِّ إِنْ أَرَادَ النَّبِيُّ

और वो मोमिन औरत जो अपनी जात नबी को હિબા કર दे अगर नबी उन को નિકાહ

أَنْ يَسْتَنْكِحَهَا خَالِصَةً لَّكَ مِنْ دُونِ الْمُؤْمِنِينَ ۚ

में लेना चाहे. ये सिर्फ आप ही के लिये है, न के आम मोमिनीन के लिये.

قَدْ عَلِمْنَا مَا فَرَضْنَا عَلَيْهِمْ فِي أَزْوَاجِهِمْ وَمَا مَلَكَتْ

ચકીનન હમે માલૂમ છે જો હમ ને उन पर ફर्ज़ किया है उन की બીવियों और उन की બાન્દियों કે

أَيْمَانُهُمْ لِكَيْلَا يَكُونُ عَلَيْكَ حَرْجٌ ۚ وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا

બારે में ताके आप पर कुछ ભી તંગી ન રહે. और અલ્લાહ બહોત ઝયાદા બખ્શને વાલા,

رَحِيمًا ﴿٢٥﴾ تَرْجَى مَنْ تَشَاءُ مِنْهُمْ وَتُؤْوَى إِلَيْكَ مَنْ

નિહાયત રહમ વાલા છે. આપ દૂર રખે જિસે ચાહે उन में से और अपने पास રખે જિસે

تَشَاءُ ۖ وَمَنْ ابْتَغَيْتَ مِمَّنْ عَزَلْتَ فَلَا جُنَاحَ عَلَيْكَ ۖ

ચાહે. और जिस को आप चाहे उन में से जिन को आप ने अलग रखा था तो आप पर कोई गुनाह नहीं.

ذَلِكَ أَدْنَىٰ أَنْ تَقَرَّ أَعْيُنُهُنَّ وَلَا يَحْزَنَ وَيَرْضَيْنَ

ये उस के जयादा करीब है के उन की आंखें ठंडी रहें और वो गमगीन न हों और वो सब ખુશ रहें

بِمَا آتَيْنَهُنَّ كُلُّهُنَّ ۖ وَاللَّهُ يَعْلَمُ مَا فِي قُلُوبِكُمْ ۖ

ઉસ પર જો આપ ને ઉન કો દિયા. और अल्लाह ખૂબ જાનતા है उस को जो तुम्हारे दिलों में है.

وَكَانَ اللَّهُ عَلِيمًا حَلِيمًا ۝ لَا يَحِلُّ لَكَ النِّسَاءُ مِنْ بَعْدُ

और अल्लाह ઈલ્મ વાલે, હિલ્મ વાલે છે. આપ કે લિયે ઈસ કે બાદ औरतें હલાલ નહીં

وَلَا أَنْ تَبَدَّلَ مِنْ أَزْوَاجٍ وَلَوْ أَعْجَبَكَ حُسْنُهُنَّ

और न ये के आप उन के બદલે में और दूसरी બીવિયાં લાએ अगरये उन का હુસ્ન આપ को अच्छा लगे,

إِلَّا مَا مَلَكَتْ يَمِينُكَ ۖ وَكَانَ اللَّهُ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ

મગર આપ કી મલૂકા બાન્દિયાં. और अल्लाह हर चीज पर

رَقِيبًا ۝ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ آمَنُوا لَا تَدْخُلُوا بُيُوتَ

નિગરાન છે. એ ઈમાન વાલો! દાખિલ મત હો નબી (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ) કે હુજરો

النَّبِيِّ إِلَّا أَنْ يُؤْذَنَ لَكُمْ إِلَىٰ طَعَامٍ غَيْرَ نَبْرِينَ

में मगर ये के तुम्हें जाने की तरफ़ ઈજાત દી જાએ ઈસ હાલ में કે तुम उस के पकने का ઈન્તિज़ાર करने

إِنَّهُ ۖ وَلَكِنْ إِذَا دُعِيتُمْ فَادْخُلُوا فَإِذَا طَعِمْتُمْ

વાલે ન હો, લેકિન જબ તુમ્હે બુલાયા જાએ તબ તુમ દાખિલ હો, ફિર જબ તુમ ખા ચુકો

فَانْتَشَرُوا وَلَا مُسْتَأْنِسِينَ لِحَدِيثٍ ۖ إِنَّ ذَلِكُمْ كَانَ

તો મુન્તશિર હો જાઓ और भातों में दिल् लगा कर के मत बैठो. यकीनन ये चीज़ नबीअे अकरम (सल्लल्लाहु अलयहि

يُؤْذَى النَّبِيُّ فَيَسْتَحْيِي مِنْكُمْ ۖ وَاللَّهُ لَا يَسْتَحْيِي

વ સલ્લમ) को ઈજા પહોંચાતી છે, ફિર वो तुम से डया करते हैं. और अल्लाह डक से डया

مِنَ الْحَقِّ ۖ وَإِذَا سَأَلْتُمُوهُنَّ مَتَاعًا فَسَأَلُوهُنَّ مِنْ وَرَاءِ

નહીં કરતા. और જબ ઉમ્મહાતુલ મોમિનીન સે તુમ્હે કોઈ ચીઝ માંગની હો, તો પરદે કે પીછે સે ઉન સે

حِجَابٍ ۖ ذَلِكُمْ أَطْهَرُ لِقُلُوبِكُمْ وَقُلُوبِهِنَّ ۖ وَمَا كَانَ

સવાલ કરો. ये चीज़ तुम्हारे दिलों के लिये और उन के दिलों के लिये जयादा पाकीज़गी वाली है. और

لَكُمْ أَنْ تُوْذُوا رَسُولَ اللَّهِ وَلَا أَنْ تَنْكِحُوا أَزْوَاجَهُ

તુમ્હારે લિયે જાઈઝ નહીં હૈ કે તુમ અલ્લાહ કે રસૂલ (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ) કો ઈઝા દો ઓર જાઈઝ નહીં હૈ યે કે તુમ આપ (સલ્લલ્લાહુ

مِنْ بَعْدِهِ أَبَدًا ۖ إِنَّ ذَٰلِكُمْ كَانَ عِنْدَ اللَّهِ عَظِيمًا ۝

અલયહિ વ સલ્લમ) કી બીવિયો સે નિકાહ કરો આપ (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ) કે બાદ કભી ભી. યકીનન યે અલ્લાહ કે નઝદીક બડી ચીઝ હૈ.

إِنْ تُبْذَرُوا شَيْئًا أَوْ تُخْفَوُهَا فَإِنَّ اللَّهَ كَانَ بِكُلِّ شَيْءٍ

અગર તુમ કિસી ચીઝ કો ઝાહિર કરો યા ઉસ કો છુપાઓ તો યકીનન અલ્લાહ હર ચીઝ કો ખૂબ જાનને વાલે

عَلِيمًا ۝ لَا جُنَاحَ عَلَيْهِنَّ فِي آبَائِهِنَّ وَلَا أَبْنَائِهِنَّ

હૈ. ઓરતો પર કોઈ ગુનાહ નહીં (બેહિજાબ આને મેં) ઉન કે બાપ દાદા કે બારે મેં ઓર ન ઉન કે બેટો કે બારે મેં

وَلَا إِخْوَانِهِنَّ وَلَا أَبْنَاءَ إِخْوَانِهِنَّ وَلَا أَبْنَاءَ

ઓર ન ઉન કે ભાઈયો કે બારે મેં ઓર ન ઉન કે ભાઈયો કે બેટો કે બારે મેં ઓર ન ઉન કી બેહનોં કે બેટો કે

أَخَوْتِهِنَّ وَلَا نِسَائِهِنَّ وَلَا مَا مَلَكَتْ أَيْمَانُهُنَّ ۚ

બારે મેં ઓર ન ઉન કી (મેલ જૂલ કી) ઓરતો કે બારે મેં ઓર ન ઉન કે બારે મેં જિન કે ઉન કે હાથ માલિક હૈ.

وَأَتَقِينَ اللَّهَ ۖ إِنَّ اللَّهَ كَانَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ شَهِيدًا ۝

ઓર તુમ અલ્લાહ સે ડરો. યકીનન અલ્લાહ હર ચીઝ કો દેખ રહે હૈ.

إِنَّ اللَّهَ وَمَلَائِكَتَهُ يُصَلُّونَ عَلَى النَّبِيِّ ۚ يَا أَيُّهَا الَّذِينَ

યકીનન અલ્લાહ ઓર ઉસ કે ફરિશ્તે રહમત ભેજતે હૈં નબીએ અકરમ (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ) પર. એ ઈમાન

أَمَنُوا صَلُّوا عَلَيْهِ وَسَلِّمُوا تَسْلِيمًا ۝

વાલો! તુમ ભી આપ (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ) પર દુરૂદ વ સલામ કસરત સે પળો. યકીનન વો લોગ

يُؤْذُونَ اللَّهَ وَرَسُولَهُ لَعَنَهُمُ اللَّهُ فِي الدُّنْيَا

જો અલ્લાહ ઓર ઉસ કે રસૂલ કો ઈઝા પહોંચાતે હૈં અલ્લાહ ને ઉન પર દુન્યા ઓર આખિરત મેં લાનત

وَالْآخِرَةِ ۖ وَأَعَدَّ لَهُمْ عَذَابًا مُّهِينًا ۝

કી હૈ ઓર ઉન કે લિયે રુસ્વા કરને વાલા અઝાબ તૈયાર કર રખા હૈ. ઓર જો લોગ

يُؤْذُونَ الْمُؤْمِنِينَ وَالْمُؤْمِنَاتِ بَغَيْرِ مَا اكْتَسَبُوا

ઈઝા પહોંચાતે હૈં ઈમાન વાલે મરદો ઓર ઈમાન વાલી ઓરતો કો ઉસ કે બગૈર કે ઉન્હો ને કુસૂર ક્રિયા હો, તો યકીનન

فَقَدْ أَحْطَمُوا بُرْهَانًا ۖ وَإِثْمًا مُّبِينًا ۝

ઉન્હો ને બોહતાન ઓર ખુલે ગુનાહ કા બોજ ઉઠાયા. એ નબીએ અકરમ (સલ્લલ્લાહુ અલયહિ વ સલ્લમ)! આપ અપની અઝવાજે

لَا زَوَاجَكَ وَبَنَتِكَ وَنِسَاءَ الْمُؤْمِنِينَ يُدْنِينَ عَلَيْهِنَّ

موتادھرات سے اور اپنی بہنوں اور مومنین کی اورتوں سے فرما دیجیے کہ وہ اپنے بھروسے پر اپنی یادہ کا کھڑا کرے۔

مَنْ جَلَبِيْبِهِنَّ ۖ ذَلِكَ أَذَىٰ أَنْ يُعْرِفَنَ فَلَا يُؤْذِينَ ۖ

لڑکاؤں سے۔ یہ اس کے جانتا کرنا ہے کہ وہ پھیلان لیا جائے، کہ وہ اسے نہ دے جائے۔

وَكَانَ اللَّهُ غَفُورًا رَحِيمًا ﴿۵۹﴾ لَنْ يَنْتَهِيَ الْمُنْفِقُونَ

اور اللہ بخشنے والا، نیکیاں دہنے والا ہے۔ اگر موناکک مہ اور وہ لوگ

وَالَّذِينَ فِي قُلُوبِهِمْ مَرَضٌ وَالْمُرْجِفُونَ فِي الْمَدِينَةِ

جس کے دل میں بیمار ہے اور وہ لوگ جو مہینا مونھرا میں افسانے کہلانے والے ہیں باج نہیں آئیں گے

لَنُغْرِبَنَّ بِهِمْ ثُمَّ لَا يُجَاوِرُونَكَ فِيهَا إِلَّا قَلِيلًا ﴿۶۰﴾

تو ہم آپ کو ان کے بیلہ (مک) دے، کہ وہ مہینا مونھرا میں آپ کے پڑوسی بن کر رہے نہیں سکیں مگر थोڑا۔

مَلْعُونِينَ ۖ أَيَّمَا ثَقَفُوا أَخَذُوا وَقَتْلُوا تَقْتِيلًا ﴿۶۱﴾

ان پر کٹکار ہے۔ جہاں کئی میلے گے، پکڑ لیتے ہیں اور انہیں ایک ایک کر کے کتل کر دیا جائے گا۔

سُنَّةَ اللَّهِ فِي الَّذِينَ خَلَوْا مِنْ قَبْلُ ۚ وَلَنْ يَجِدَ لِسُنَّةِ

اللہ کا دستور رہا ہے ان کے بارے میں جو پہلے گئے تھے اور اللہ کی سُنّت میں آپ کوئی تبدیلی

اللَّهُ تَبْدِيلًا ﴿۶۲﴾ يَسْأَلُكَ النَّاسُ عَنِ السَّاعَةِ ۚ قُلْ

ہرگز نہیں پائیں گے۔ یہ لوگ آپ سے کھامت کے بارے میں سوال کرتے ہیں۔ آپ فرما دیجیے کہ

إِنَّمَا عِلْمُهَا عِنْدَ اللَّهِ ۚ وَمَا يُدْرِيكَ لَعَلَّ السَّاعَةَ تَكُونُ

اس کا علم تو صرف اللہ کے پاس ہے۔ اور آپ کو مالوم نہیں کہ شایہ کھامت کریں

قَرِيبًا ﴿۶۳﴾ إِنَّ اللَّهَ لَعَنَ الْكَافِرِينَ وَأَعَدَّ لَهُمْ سَعِيرًا ﴿۶۴﴾

ہی ہے۔ یکنن اللہ نے کافروں پر لانت فرما دی ہے اور ان کے لیے دھکائی آگ تیار کر رہی ہے۔

خَالِدِينَ فِيهَا أَبَدًا ۚ لَا يَجِدُونَ وَلِيًّا وَلَا نَصِيرًا ﴿۶۵﴾

جس میں وہ ہمیشہ رہیں گے۔ وہ کوئی مددگار اور دوست نہیں پائیں گے۔

يَوْمَ تَقْلَبُ وَجُوهُهُمْ فِي النَّارِ يَقُولُونَ يَلَيْتَنَّا اطَّعْنَا

جس دن ان کے بھروسے آگ میں پلٹ پلٹ کرے ہیں گے، وہ کہیں گے اے کاش کہ ہم اللہ کی پناہ

اللَّهُ وَأَطَعْنَا الرَّسُولَ ۚ وَقَالُوا رَبَّنَا إِنَّا أَطَعْنَا سَادَتَنَا

کرتے اور ہم رسول کی پناہ کرتے۔ اور وہ کہیں گے اے ہمارے رب! ہم نے اپنے سرکاروں اور

وَكُبرَاءَنَا فَاصْلُوا السَّبِيلَ ﴿٦٤﴾ رَبَّنَا اٰتِهِمْ ضِعْفَيْنِ

અપને બડોં કી ઇતાઅત કી, તો ઉન્હોં ને હમેં ગુમરાહ ક્રિયા રાસ્તે સે. એ હમારે રબ! તૂ ઉન્હેં દુગના

مِنَ الْعَذَابِ وَالْعَنَهُمْ لَعْنًا كَبِيرًا ﴿٦٥﴾ يٰۤاَيُّهَا الَّذِيْنَ

અઝાબ દે ઓર તૂ ઉન પર બડી લાનત ફરમા. એ ઈમાન વાલો!

اٰمَنُوْا لَا تَكُوْنُوْا كَالَّذِيْنَ اٰذُوْا مُوْسٰى فَبَرَّاهُ اللّٰهُ

તુમ ઉન જૈસે મત બનો જિન્હોં ને મૂસા (અલયહિસ્સલામ) કો ઇઝા દી, ફિર અલ્લાહ ને મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) કો બરી

مِمَّا قَالُوْۤا وَكَانَ عِنْدَ اللّٰهِ وَجِيْهًا ﴿٦٦﴾ يٰۤاَيُّهَا

ફરમા દિયા ઉસ સે જો ઉન્હોં ને કહા. ઓર મૂસા (અલૈહિસ્સલામ) અલ્લાહ કે નઝદીક વજાહત વાલે થે. એ

الَّذِيْنَ اٰمَنُوْا اتَّقُوْا اللّٰهَ وَ قُوْلُوْا قَوْلًا سَدِيْدًا ﴿٦٧﴾

ઈમાન વાલો! અલ્લાહ સે ડરો ઓર સીધી બાત કહો.

يُصْلِحْ لَكُمْ اَعْمَالَكُمْ وَ يُغْفِرْ لَكُمْ ذُنُوْبَكُمْ ؕ

વો તુમ્હારે લિયે તુમ્હારે આમાલ કી ઇસ્લાહ કર દેગા ઓર તુમ્હારે લિયે તુમ્હારે ગુનાહ બખ્શ દેગા.

وَمَنْ يُّطِيعِ اللّٰهَ وَرَسُوْلَهُ فَقَدْ فَازَ فَوْزًا عَظِيْمًا ﴿٦٨﴾

ઓર જો અલ્લાહ ઓર ઉસ કે રસૂલ કી ઇતાઅત કરેગા તો યકીનન વો ભારી કામ્યાબી સે કામ્યાબ હો ગયા.

اِنَّا عَرَضْنَا الْاٰمَانَ عَلَى السَّمٰوٰتِ وَالْاَرْضِ

યકીનન હમ ને અમાનત પેશ કી આસ્માનોં ઓર ઝમીન

وَالْجِبَالِ فَابَيَّنْ اَنْ يَّحْمِلْنَهَا وَاَشْفَقْنَ مِنْهَا

ઓર પહાડોં પર, તો ઉન સબ ને ઇન્કાર ક્રિયા ઉસ કે ઉઠાને સે ઓર વો ડરે ઉસ સે

وَحَمَلَهَا الْاِنْسَانُ ؕ اِنَّهٗ كَانَ ظَلُوْمًا جَهُوْلًا ﴿٦٩﴾

ઓર ઉસ કો ઇન્સાન ને ઉઠા લિયા. યકીનન વો બડા ઝાલિમ ઓર બડા જાહિલ હે.

لِّيُعَذِّبَ اللّٰهُ الْمُنٰفِقِيْنَ وَالْمُنٰفِقَتِ وَالْمُشْرِكِيْنَ

તાકે અલ્લાહ અઝાબ દે મુનાફિક મરદોં ઓર મુનાફિક ઓરતોં ઓર મુશરિક મરદોં ઓર મુશરિક ઓરતોં કો

وَالْمُشْرِكَةِ وَيَتُوْبَ اللّٰهُ عَلَى الْمُؤْمِنِيْنَ وَالْمُؤْمِنٰتِ ؕ

ઓર અલ્લાહ ઇમાન વાલે મરદોં ઓર ઇમાન વાલી ઓરતોં કી તૌબા કબૂલ કરે.

وَكَانَ اللّٰهُ غَفُوْرًا رَّحِيْمًا ﴿٧٠﴾

ઓર અલ્લાહ બખ્શને વાલા, નિહાયત રહમ વાલા હે.

رُكُوعَاتُهَا ۶

(۳۳) سُورَةُ سَبِّحِ الرَّحْمٰنِ (۵۸)

آيَاتُهَا ۵۴

اور ۶ رُکُوع ہیں سूर سے सबा मक्का में नाज़िल हुई इस में ۵۴ आयतें हैं

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ

ਪ੍ਰਭੂਤਾ ਭੁੰ ਅਵਲਾਹ ਦਾ ਨਾਮ ਲੇ ਕਰ ਜੋ ਭਯਾ ਮੇਹਰਬਾਨ, ਨਿਭਾਯਤ ਰਹਮ ਵਾਲਾ ਹੈ

الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي لَهُ مَا فِي السَّمُوتِ وَمَا فِي الْأَرْضِ وَلَهُ

ਤਮਾਮ ਤਾਰੀਫ਼ੇ ਉਸ ਅਵਲਾਹ ਦੇ ਲਿਖੇ ਹੋਏ ਜਿਸ ਦੀ ਮਿਲਦ ਹੈ ਉਹੋ ਤਮਾਮ ਥੀਯੋ ਜੋ ਆਸਮਾਨੋਂ ਮੇਂ ਹੈਂ ਓਰ ਜੋ ਅਮੀਨ ਮੇਂ ਹੈਂ

الْحَمْدُ فِي الْآخِرَةِ ۖ وَهُوَ الْحَكِيمُ الْخَبِيرُ ۝ يَعْلَمُ مَا يَلِجُ

ਓਰ ਉਸ ਦੇ ਲਿਖੇ ਤਮਾਮ ਤਾਰੀਫ਼ੇ ਆਖਿਰਤ ਮੇਂ ਓਰ ਉਹੋ ਡਿਕਮਤ ਵਾਲਾ, ਭਾਯਭਰ ਹੈ. ਉਹੋ ਜਾਨਤਾ ਹੈ ਉਨ ਥੀਯੋਂ ਕੋ ਜੋ

فِي الْأَرْضِ وَمَا يَخْرُجُ مِنْهَا وَمَا يَنْزِلُ مِنَ السَّمَاءِ

ਅਮੀਨ ਮੇਂ ਢਾਭਿਲ ਢੋਤੀ ਹੈਂ ਓਰ ਜੋ ਅਮੀਨ ਸੇ ਨਿਕਲਤੀ ਹੈਂ ਓਰ ਜੋ ਆਸਮਾਨ ਸੇ ਉਤਰਤੀ ਹੈਂ

وَمَا يَعْرُجُ فِيهَا ۖ وَهُوَ الرَّحِيمُ الْغَفُورُ ۝ وَقَالَ الَّذِينَ

ਓਰ ਜੋ ਆਸਮਾਨ ਮੇਂ ਯਯਤੀ ਹੈ. ਓਰ ਉਹੋ ਨਿਭਾਯਤ ਰਹਮ ਵਾਲਾ, ਭਖਸ਼ਨੇ ਵਾਲਾ ਹੈ. ਓਰ ਕਾਫ਼ਿਰ ਲੋਗ ਕੇਹਤੇ

كَفَرُوا لَا تَأْتِينَا السَّاعَةُ ۖ قُلْ بَلَىٰ وَرَبِّي لَتَأْتِيَنَّكُمْ ۙ

ਹੈਂ ਭਮ ਪਰ ਕਯਾਮਤ ਨਹੀਂ ਆਏਗੀ. ਆਪ ਫ਼ਰਮਾ ਦੀਯੋ ਕਯੂੰ ਨਹੀਂ? ਮੇਰੇ ਰਬ ਦੀ ਕਸਮ ਜੋ ਗੈਬ ਦਾ ਈਸ਼ਮ ਰਖਤਾ

عِلْمِ الْغَيْبِ لَا يَعْزُبُ عَنْهُ مِثْقَالُ ذَرَّةٍ فِي السَّمُوتِ

ਹੈ ਉਹੋ ਉਮ ਪਰ ਝੜਰ ਆਏਗੀ. ਉਸ ਸੇ ਝਰੀ ਭਰਾਭਰ ਕੋਈ ਥੀਯ ਮਝੀ ਨਹੀਂ ਆਸਮਾਨੋਂ ਮੇਂ

وَلَا فِي الْأَرْضِ وَلَا أَصْغَرُ مِنْ ذَلِكَ وَلَا أَكْبَرُ

ਓਰ ਨ ਅਮੀਨ ਮੇਂ ਓਰ ਨ ਉਸ ਸੇ ਛੋਟੀ ਕੋਈ ਥੀਯ ਓਰ ਨ ਉਸ ਸੇ ਭੜੀ ਕੋਈ ਥੀਯ ਮਗਰ ਉਹੋ ਸਾਫ਼ ਸਾਫ਼ ਭਯਾਨ ਕਰਨੇ ਵਾਲੀ

الْأَفْ فِي كِتَابٍ مُبِينٍ ۝ لِيَجْزِيَ الَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ

ਕਿਤਾਬ (ਲਛੇ ਮਛਛੂ) ਮੇਂ ਹੈ. ਤਾਕੇ ਅਵਲਾਹ ਭਦਲਾ ਦੇ ਉਨ ਲੋਗੋਂ ਕੋ ਜੋ ਈਮਾਨ ਲਾਏ ਓਰ ਨੇਕ ਅਮਲ ਕਰਤੇ ਰਹੇ.

أُولَئِكَ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ وَرِزْقٌ كَرِيمٌ ۝ وَالَّذِينَ سَعَوْا

ਉਨ ਦੇ ਲਿਖੇ ਮਗਫ਼ਿਰਤ ਹੈ ਓਰ ਈਜ਼ਤ ਵਾਲੀ ਰੋਜ਼ੀ ਹੈ. ਓਰ ਜੋ ਲੋਗ ਭਮਾਰੀ ਆਯਤੋਂ ਮੇਂ

فِي آيَاتِنَا مُعْجِزِينَ أُولَئِكَ لَهُمْ عَذَابٌ مِّن رَّجْزٍ أَلِيمٌ ۝

ਕੋਸ਼ਿਸ਼ ਕਰਤੇ ਹੈਂ ਢਰਾਨੇ ਵਾਲੇ ਭਨ ਕਰ ਉਨ ਦੇ ਲਿਖੇ ਭਲਾ ਦਾ ਫ਼ਰਨਾਕ ਅਜਾਭ ਢੋਗਾ.

وَيَرَى الَّذِينَ أُوتُوا الْعِلْمَ الَّذِي أُنْزِلَ إِلَيْكَ

ਓਰ ਉਹੋ ਲੋਗ ਜਿਨ ਕੋ ਈਸ਼ਮ ਢਿਯਾ ਗਯਾ ਉਹੋ ਸਮਝ ਰਹੇ ਹੈਂ ਕੇ ਉਹੋ ਕੁਆਨ ਜੋ ਆਪ ਦੀ ਤਰਫ਼ ਆਪ ਦੇ ਰਬ ਦੀ ਤਰਫ਼ ਸੇ

مَنْ رَبِّكَ هُوَ الْحَقُّ ۚ وَيَهْدِي إِلَى صِرَاطِ الْعَزِيزِ

ਉਤਾਰਾ गया, वो एक है. और ये कुर्आन जबरदस्त क़ाबिले तारीफ़ अल्लाह के रास्ते की तरफ़ रहुनुमाई

الْحَمِيدِ ۝ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا هَلْ نَدُلُّكُمْ عَلَىٰ رَجُلٍ

करता है. और क़ाफ़िर केहते हैं क्या हम तुम्हें पता बतलाओं ऐसे शम्स का जो

يُنَبِّئُكُمْ إِذَا مُرِّقْتُمْ كُلَّ مَرْقٍ ۚ إِنَّكُمْ لَفِي

तुम्हें ज़बर देता है के ज़ब तुम पूरे तौर पर टुकड़े टुकड़े (रेज़ा रेज़ा) कर दिये जाओगे तब तुम नअे सिरै

خَلْقٍ جَدِيدٍ ۚ أَفَتَرَىٰ عَلَى اللَّهِ كَذِبًا أَمْ بِهِ جِنَّةٌ ۚ

से ज़िन्दा किये जाओगे? या तो उस ने अल्लाह पर ज़ूठ घडा है या उसे ज़ूनून है.

بَلِ الَّذِينَ لَا يُؤْمِنُونَ بِالْآخِرَةِ فِي الْعَذَابِ وَالضَّلَالِ

बल्के वो लोग जो आभिरत पर धिमान नहीं रबते वो अज़ाब में और दूर वाली गुमराही

الْبَعِيدِ ۝ أَفَلَمْ يَرَوْا إِلَىٰ مَا بَيْنَ أَيْدِيهِمْ وَمَا خَلْفَهُمْ

में हैं. क्या उन्होंने ने देखा नहीं उन चीज़ों को जो उन के आगे और उन के पीछे हैं

مِّنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ ۚ إِنَّ نَاشِئًا خُسْفٍ ۚ بِهِمُ

आस्मान और ज़मीन. अगर हम चाहें तो हम उन्हें ज़मीन में धंसा दें

أَوْ نُسْقِطُ عَلَيْهِمْ كِسْفًا مِّنَ السَّمَاءِ ۚ إِنَّ فِي ذَٰلِكَ

या हम उन पर आस्मान से टुकड़े गिरा दें. यकीनन इस में

لَايَةً لِّكُلِّ عَبْدٍ مُّنِيبٍ ۚ وَلَقَدْ آتَيْنَا دَاوُدَ

अलबत्ता निशानी है डर तौबा करनेवाले बन्दे के लिये. हम ने दावूद (अलैहिस्सलाम) को उमारी तरफ़ से इज़ल (नुभूयत व

مِّنَّا فَضْلًا ۚ يُجِبَالُ أَوْبَىٰ مَعَهُ وَالطَّيْرُ ۚ وَأَلْنَا لَهُ

हुकूमत) दिया. (हम ने क़डा) ओ पछाडो! तुम उन के साथ तरबीह करो और परिन्दों को भी हुकूम दिया. और हम ने उन के लिये

الْحَدِيدَ ۚ إِنَّ أَعْمَلَ سِغَتٍ وَقَدَّرَ فِي السَّرْدِ ۚ وَاعْمَلُوا

लोहे को नर्म किया. के आप थौडी ज़िरहे बनाईये और मेभे लगाने में मिकदार मुतअय्यत रबिये और तुम सब नेक

صَالِحًا ۚ إِنِّي بِمَا تَعْمَلُونَ بَصِيرٌ ۝ وَلِسُلَيْمَانَ الرِّيحَ

अमल करे रहे. यकीनन मैं तुम्हारे कामों को देख रहा हूँ और सुलैमान (अलैहिस्सलाम) के लिये उवा को ताबेस्म किया, उवा का

عُدُّوْهَا شَهْرٌ وَرَوَاحُهَا شَهْرٌ ۚ وَأَسَلْنَا لَهُ عَيْنَ

सुबु के वक़्त का सफ़र अक़ महीने की मसाफ़त और उस का शाम के वक़्त का सफ़र अक़ महीने की मसाफ़त तै करता था. और हम ने

الْقَطْرِ ۖ وَمِنَ الْجَنِّ مَنْ يَّعْمَلُ بَيْنَ يَدَيْهِ بِإِذْنِ رَبِّهِ ۖ

ۛن کے لیتے تانبے کا یشما بڈایا. اور جیناات مے سے وے لمی تھے جو ۛن کے سامنے ۛن کے ربل کے ۛکرم سے کام کرتے تھے.

وَمَنْ يَّزْعُ مِنْهُمْ عَنْ أَمْرِنَا نُذِقْهُ مِنْ عَذَابِ السَّعِيرِ ۝

اور ۛن مے سے جو ۛمارے ۛکرم سے ڈےڈا یلےگا تو ۛم ۛسے دۛکاتی آاگ کا آااب یماآےگے.

يَعْمَلُونَ لَهُ مَا يَشَاءُ مِنْ مَّحَارِبٍ وَ تَمَاثِيلَ وَ جِفَانٍ

وے سۛلیمان (اڈلےۛسسالام) کے لیتے بنااتے تھے وے یےآےجو سۛلیمان (اڈلےۛسسالام) یااڈتے, یاآی کیلآے اورمۛرتیاں اور

كَالْجَوَابِ وَقُدُورٍ رَّسِيَتْ ۖ اِعْمَلُوا آلَ دَاوُدَ سُكَّرًا ۖ

تالااب جےسے لآان اور آےک ۛی جگا سااايت رےڈنے والی ۛیآی ۛیآی ڈےگے آے آالے داکا! شۛکیے کے تےر پر اممل کړے.

وَقَلِيلٍ مِّنْ عِبَادِيَ الشَّكُورُ ۝ فَلَمَّا قَضَيْنَا عَلَيْهِ

اور مےرے بانڈے مے سے کم شۛکۛرآار ۛے. کیر جب ۛم نے ۛن کی مےت کا کسلا کر دیا

النُّوتَ مَا دَلَّهُمْ عَلَىٰ مَوْتِهِ إِلَّا دَابَّةُ الْأَرْضِ تَأْكُلُ

تے جیناات کے سۛلیمان (اڈلےۛسسالام) کی مےت کا پتا نااا بانلااا مآر آمیں کے کړے (ۛن) نے جو آاپ کی لااا

مُنْسَاتَهُ ۖ فَلَمَّا خَرَّ تَبَيَّنَتِ الْجِنَّ أَن لَّو كَانُوا يَعْلَمُونَ

کے آا راا آا. کیر جب سۛلیمان (اڈلےۛسسالام) گیر پڈے, تب جیناات نے جانا کے آآر وے (جین) گےب جانتے

الْغَيْبِ مَا لَبِثُوا فِي الْعَذَابِ الْمُهِينِ ۝ لَقَدْ كَانَ

اڈتے تے وے رۛسوا کرنے والے آااب مے ن رےاڈتے. تااکیک کے کړے مے سآا کے لیتے

لِسَبَاٍ فِي مَسْكَنِهِمْ آيَةً ۖ جَنَّتٍ عَنْ يَّيْمِينٍ وَ شِمَالٍ ۖ

ۛن کے واتن مے نیشاآی آی. ڈے آاآات تھے ڈاآے اور آاآے.

كُلُوا مِنْ رِّزْقِ رَبِّكُمْ وَاشْكُرُوا لَهُ ۖ بَلَدَةٌ طَيِّبَةٌ

تے تم آاآو آپنے ربل کی رےآی مے سے اور ۛس کا شۛک آاا کړے. شےا ر لمی ۛمڈا

وَّ رَبِّ غَفُورٌ ۝ فَأَعْرَضُوا فَأَرْسَلْنَا عَلَيْهِمْ سَيْلَ الْعَرِمِ

اور ربل لمی بانشنے والا. کیر ۛنآے نے آیرااا کړیا, تے ۛم نے ۛن پر بانڈ کا سۛلااب ۛوڈ دیا,

وَبَدَّلْنَاهُمْ بِجَنَّتَيْهِمْ جَنَّتَيْنِ ذَوَاتِیْ أُكُلٍ خَمْطٍ وَأَثَلٍ

اور ۛم نے ۛن ڈے آاآ کے ۛवल بانمآا ۛل والے ڈسارے ڈے آاآ دیتے اور جااا کے دَرپت

وَشَيْءٍ مِّنْ سِدْرٍ قَلِيلٍ ۝ ذَٰلِكَ جَزَاؤُهُمْ بِمَا كَفَرُوا ۖ

اور آوڈی سی بےری کے دَرپت. ۛم نے ۛنآے ۛن کے کۛک کی وآا سے یے سآا ڈی.

وَهَلْ نُجْزِي إِلَّا الْكَفُورَ ۝ وَجَعَلْنَا بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ

और हम सजा नहीं देते मगर नाशुकरी करने वाले को. और हम ने अउले सबा और उन बस्तियों के

الْقُرَى الَّتِي بَرَكْنَا فِيهَا قُرًى ظَاهِرَةً وَقَدَّرْنَا فِيهَا

हरमियान जिन में हम ने बर्कतें रबी थीं ऐसी बस्तियां बना दी थीं जो नजर आती थीं, और हम ने उन में

السَّيْرِ سَيْرُوا فِيهَا لِيَالِي وَإِيَّامًا آمِنِينَ ۝ فَقَالُوا

सफ़र की मन्जिलें सुतअय्यन कर दी थीं. के तुम उन में रात में और दिन में अमन से चलो. तो उन्होंने ने कहा

رَبَّنَا بَعْدُ بَيْنَ أَسْفَارِنَا وَظَلَمُوا أَنْفُسَهُمْ فَجَعَلْنَاهُمْ

ऐ हमारे रब! हमारे सफ़रों के हरमियान दूरी कर दे और उन्होंने ने अपनी जानों पर जुल्म किया, फिर हम ने उन्हें क़डानियां

أَحَادِيثَ وَمَرْقَنَهُمْ كُلَّ مَرْقٍ ۝ إِنَّ فِي ذَلِكَ لَآيَاتٍ

बना दिया और हम ने उन्हें मुकम्मल तौर पर टुकड़े टुकड़े कर दिया. बेशक इस में अलबता निशानियां हैं

لِكُلِّ صَبَّارٍ شَكُورٍ ۝ وَلَقَدْ صَدَّقَ عَلَيْهِمْ إِبْلِيسُ

उर सभ्र करने वाले, शुक करने वाले के लिये. यकीनन उन पर इब्लीस ने अपना गुमान सय कर

ظَنَّهُ فَاتَّبَعُوهُ إِلَّا قَرِيقًا مِّنَ الْمُؤْمِنِينَ ۝ وَمَا كَانَ

दिखाया, फिर वो इब्लीस के पीछे चले सिवाये ईमान वालों के गिरोह के. और इब्लीस का

لَهُ عَلَيْهِمْ مِّنْ سُلْطٰنٍ إِلَّا لِنَعْلَمَ مَنْ يُؤْمِنُ بِالْآخِرَةِ

ईमान वालों पर जो तसल्लुत है, सिर्फ़ इस लिये है ताके हम मालूम करे के कौन आभिरत पर ईमान रबता है,

مِّنْ هُوَ مِنْهَا فِي شَكٍّ ۚ وَرَبُّكَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ حَفِيظٌ ۝

उस से जो उस की तरफ़ से शक में है. और आप का रब हर चीज़ पर निगरान है.

قُلْ ادْعُوا الَّذِينَ زَعَمْتُمْ مِّنْ دُونِ اللَّهِ لَا يَمْلِكُونَ

आप इरमा दीजिये के तुम पुकारो उन को जिन का तुम गुमान करते हो अद्लाह के सिवा. वो न आस्मान में

مِثْقَالَ ذَرَّةٍ فِي السَّمٰوٰتِ وَلَا فِي الْأَرْضِ وَمَا لَهُمْ

उर्रा बराबर के मालिक हैं न जमीन में, और न उन की आस्मान और जमीन

فِيهَا مِنْ شَرْكٍ ۚ وَمَا لَهُ مِنْهُمْ مِّنْ ظَهِيرٍ ۝ وَلَا تَنْفَعُ

(के बनाने) में कोई शिरकत है और उन में से कोई अद्लाह का मददगार नहीं. और सिफ़ारिश अद्लाह के

الشَّفَاعَةُ عِندَهُ إِلَّا لِمَنْ أَذِنَ لَهُ ۖ حَتَّىٰ إِذَا فُزِعَ عَنِ

नजदीक नफ़ा नहीं देगी मगर उसी की जिस को अद्लाह इजाजत दे. यहां तक के जब उन के दिलों से घबराहट

قُلُوبِهِمْ قَالُوا مَاذَا قَالَ رَبُّكُمْ ۖ قَالُوا الْحَقُّ ۖ وَهُوَ الْعَلِيُّ

دूर छो जाती है तो पूछते हैं के तुम्हारे रब ने क्या कहा? वो केहते हैं के उक बात कही. और वो भरतर है,

الْكَبِيرُ ۚ قُلْ مَنْ يَرْزُقُكُمْ مِّنَ السَّمَوتِ وَالْأَرْضِ ۚ

बडा है. आप पूछिये कौन तुम्हें रोळी देता है आस्मानों से और जमीन से?

قُلْ اللَّهُ ۖ وَآتَا أَوْ إِيَّاكُمْ لَعَلَّ هُدًى أَوْ فِي ضَلَالٍ مُّبِينٍ ۝

आप ही इरमा दीजिये अल्लाह. और उम या तुम जर या छिदायत पर हैं या भुली गुमराही में हैं.

قُلْ لَا تَسْأَلُونَ عَمَّا أَجْرَمْنَا وَلَا نُسْأَلُ عَمَّا تَعْمَلُونَ ۝

आप इरमा दीजिये के तुम से हमारे जराईम का सवाल नहीं होगा और तुम्हारे आमांल के मुतअदिलक उम से नहीं पूछा जायेगा.

قُلْ يَجْمَعُ بَيْنَنَا رَبُّنَا ثُمَّ يَفْتَحُ بَيْنَنَا بِالْحَقِّ ۖ وَهُوَ الْفَتَّاحُ

आप इरमा दीजिये के हमारा रब हमें एकठा करेगा, फिर हमारे दरमियान उक को भोल देगा. और वो बछोत जयादा भोलने वाला है,

الْعَلِيمُ ۝ قُلْ أَرُونِي الَّذِينَ أَلْحَقْتُمْ بِهِ شُرَكَاءَ ۚ كَلَّا

भूब जानने वाला है. आप इरमा दीजिये के तुम मुजे छिभाओ जिन को तुम अल्लाह के साथ शरीक ठेहरा कर मिलाते हो. हरगिज नहीं.

بَلْ هُوَ اللَّهُ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝ وَمَا أَرْسَلْنَاكَ إِلَّا كَافَّةً

बल्हे वो अल्लाह जबरदस्त है, छिकमत वाला है. और उम ने आप को तमाम ईन्सानों के लिये भशारत

لِلنَّاسِ بَشِيرًا وَنَذِيرًا وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ لَا يَعْلَمُونَ ۝

देने वाला और डराने वाला रसूल बना कर भेजा है, लेकिन अकसर लोग जानते नहीं.

وَيَقُولُونَ مَتَى هَذَا الْوَعْدُ إِن كُنْتُمْ صَادِقِينَ ۝

और ये केहते हैं के ये वादा कब है अगर तुम सख्ये हो.

قُلْ لَّكُمْ مِيعَادُ يَوْمٍ لَا تَسْتَخِرُونَ عَنْهُ سَاعَةً

आप इरमा दीजिये के तुम्हारे लिये अक दिन का वादा है जिस से न अक घडी तुम पीछे रेह सकते हो और न अक घडी

وَلَا تَسْتَقْدِمُونَ ۝ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لَنْ نُؤْمِنَ بِهَذَا

आगे जा सकते हो. और काफ़िरो ने कहा के उम हरगिज ईमान नहीं लायेंगे इस

الْقُرْآنِ وَلَا بِالَّذِي بَيْنَ يَدَيْهِ ۖ وَلَوْ تَرَىٰ إِذِ الظَّالِمُونَ

कुरआन पर और उन किताबों पर जो इस से पेहले थी. और काश के आप देखें जब के जालिम

مَوْقُوفُونَ عِنْدَ رَبِّهِمْ ۖ يَرْجِعُ بَعْضُهُمْ إِلَىٰ بَعْضٍ

भडे किये जायेंगे अपने रब के सामने. उन में से अक दूसरे की तरफ बात को ढाल

الْقَوْلُ ٣ يَقُولُ الَّذِينَ اسْتُضْعِفُوا لِلَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا

રહા હોગા. કમઝોર લોગ કહુંગે ઉન સે જો બડે બન કર રહે

لَوْلَا أَنْتُمْ لَكُنَّا مُؤْمِنِينَ ﴿٣١﴾ قَالَ الَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا

કે અગર તુમ ન હોતે તો હમ ઈમાન વાલે હોતે. જો બડે બન કર રહે વો કમઝોરોં સે

لِلَّذِينَ اسْتَظْعَفُوا اَنۡحُنۡ صَدَدۡنٰكُمۡ عَنِ الْهُدٰى

કહ્યુંગે ક્યા હમ ને તુમ્હે હિદાયત સે રોકા થા

بَعْدَ إِذْ جَاءَكُمْ بَلْ كُنْتُمْ مُجْرِمِينَ ﴿٣٢﴾ وَقَالَ الَّذِينَ

ઈસ કે બાદ કે વો તુમ્હારે પાસ આઈ? બલકે તુમ હી મુજરિમ થે. ઔર કમઝોર લોગ

اسْتَضَعِفُوا لِلَّذِينَ اسْتَكْبَرُوا بَلْ مَكْرُ اللَّيْلِ وَالنَّهَارِ

કહેશે ઉન સે જો બડે બન કર રહે બલ્કે રાત ઔર દિન કે મકર (ને રોકા),

إِذْ تَأْمُرُونَنَا أَنْ نَكْفُرَ بِاللَّهِ وَنَجْعَلَ لَهُ أَنْدَادًا ۖ

જાબ તુમ હમો હુકમ દેતે થે ઉસ કા કે હમ અલ્લાહ કે સાથ કુફર કરે ઓર હમ ઉસ કે લિયે શરીક ઠેહરાઓ.

وَأَسْرُوا النَّدَامَةَ لَمَّا رَأَوْا الْعَذَابَ ۖ وَجَعَلْنَا الْأَغْلَلَ

और वो नदामत को छुपाएंगे जब वो अज़ाब देंगे. और हम तौक रख देंगे

فِي أَعْنَاقِ الَّذِينَ كَفَرُوا ۖ هَلْ يُجْزَوْنَ إِلَّا مَا كَانُوا

કાફિરોં કી ગદનોં મેં. ઉન્હેં સજા નહીં દી જાએગી મગર ઉન્હીં કામોં કી જો વો

يَعْمَلُونَ ﴿٢٣﴾ وَمَا أَرْسَلْنَا فِي قَرْيَةٍ مِّنْ نَّذِيرٍ إِلَّا قَالَ

करते थे. और हम ने किसी अस्ती में डराने वाला रसूल नहीं भेजा मगर वहां के प्रशासक

مُتَرَفُوهَا إِنَّا بِمَا أُرْسِلْتُمْ بِهِ كَافِرُونَ ﴿٢٢﴾ وَقَالُوا نَحْنُ

લોગોને કહ્યું કે યકીનન હમ તો ફક્કર કરતે હૈં ઉસ કે સાથ જિસ કો દે કર તમ ભેજે ગયે હો. ઓર કહ્યું કે હમ

أَكْثَرُ أَمْوَالٍ وَأَوْلَادًا ۖ وَمَا نَحْنُ بِمُعَذِّبِينَ ﴿٣٥﴾ قُلْ إِنَّ رَبِّي

જાયાદા માલ ઓર ઓલાદ વાલે હૈ. ઓર હમે અજાબ નહીં હોગા. આપ ફરમા દીજિયે યકીનન મેરા રબ

يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَنْ يَشَاءُ وَيَقْدِرُ وَلَكِنَّ أَكْثَرَ النَّاسِ

रोज़ी क्षाद्य करता है जिस के लिये यादता है और तंग करता है जिस के लिये यादता है, लेकिन अक्सर लोग

لَا يَعْلَمُونَ ﴿٣٦﴾ وَمَا أَمْوَالُكُمْ وَلَا أَوْلَادُكُمْ بِالَّتِي

જાનતે નહીં. ઓર તમ્હારે માલ ઓર તમ્હારી ઓલાદ એસી થીજ નહીં જો તમ્હે હમારા ઝપાદા

تُقَرَّبُكُمْ عِنْدَنَا زُلْفَىٰ إِلَّا مَنْ آمَنَ وَعَمِلَ صَالِحًا فَأُولَٰئِكَ

મુકરબ બના દે, મગર જો ઈમાન લાએ ઓર નેક અમલ કરતે રહે, તો ઉન

لَهُمْ جَزَاءُ الصَّعْفِ بِمَا عَمِلُوا وَهُمْ فِي الْغُرُفَاتِ آمِنُونَ ﴿۳۵﴾

કે લિયે ઉન કે અમલ કી દુગની જાહ હોગી ઓર વો બાલાખાનોં મેં અમન સે હોંગે.

وَالَّذِينَ يَسْعَوْنَ فِي آيَاتِنَا مُعْجِزِينَ أُولَٰئِكَ فِي الْعَذَابِ

ઓર જો કોશિશ કર રહે હેં હમારી આયતોં મેં હરાને વાલે બન કર, યે લોગ અઝાબ મેં હાઝિર

مُحْضَرُونَ ﴿۳۶﴾ قُلْ إِنَّ رَبِّي يَبْسُطُ الرِّزْقَ لِمَنْ يَشَاءُ

કિયે જાએંગે. આપ ફરમા દીજિયે યકીનન મેરા રબ રોઝી કુશાદા કરતા હેં જિસ કે લિયે ચાહતા હે

مِنْ عِبَادِهِ وَيَقْدِرُ لَهُ ۖ وَمَا أَنْفَقْتُمْ مِنْ شَيْءٍ فَهُوَ

અપને બન્દોં મેં સે ઓર તંગ કરતા હેં જિસ કે લિયે ચાહતા હેં. ઓર જો ચીઝ ભી તુમ ખર્ચ કરો તો વો

يُخْلِفُهُ ۖ وَهُوَ خَيْرُ الرَّازِقِينَ ﴿۳۷﴾ وَيَوْمَ يُحْشَرُهُمْ جَمِيعًا

ઉસ કા બદલ દેતા હેં. ઓર વો બેહતરીન રોઝી દેને વાલા હેં. ઓર જિસ દિન વો સબ કો ઇકઠ્ઠા કરેગા,

ثُمَّ يَقُولُ لِلْمَلَائِكَةِ أَهْلَآءٌ إِيَّاكُمْ كَانُوا يَعْبُدُونَ ﴿۳۸﴾

ફિર ફરિશતોં સે કહેગા કયા યે લોગ તુમહારી ઇબાદત કિયા કરતે થે?

قَالُوا سُبْحَانَكَ أَنْتَ وَلِيِّنَا مِنْ دُونِهِمْ ۖ بَلْ كَانُوا

તો વો કહેંગે કે આપ પાક હેં, આપ હમારે કારસાઝ હેં, ન કે વો. બલકે યે લોગ

يَعْبُدُونَ الْجِنَّ ۖ أَكْثَرُهُمْ بِهِمْ مُؤْمِنُونَ ﴿۳۹﴾ فَايَوْمَ

તો જિન્નાત કી ઇબાદત કરતે થે, ઉન મેં સે અકસર જિન્નાત પર ઇમાન ભી રખતે થે. તો આજ

لَا يَمْلِكُ بَعْضُكُمْ لِبَعْضٍ نَفْعًا وَلَا ضَرًّا ۚ وَنَقُولُ لِلَّذِينَ

તુમ મેં સે એક દૂસરે કે લિયે નફા ઓર ઝરર કે માલિક નહીં. ઓર હમ કહેંગે ઝાલિમોં

ظَلَمُوا ذُوقُوا عَذَابَ النَّارِ الَّتِي كُنْتُمْ بِهَا تُكَذِّبُونَ ﴿۴۰﴾

સે કે તુમ ઉસ આગ કા અઝાબ ચખો જિસ કો તુમ જુઠલાયા કરતે થે.

وَإِذَا تُتْلَىٰ عَلَيْهِمْ آيَاتُنَا بَيِّنَاتٍ قَالُوا مَا هَٰذَا إِلَّا رَجُلٌ

ઓર જબ ઉન પર હમારી સાફ સાફ આયતેતિલાવત કી જાતી હેં તો વો કહેતે હેં કે યે પેગમ્બર નહીં હેં મગર એક આદમી

يُرِيدُ أَنْ يَصُدَّكُمْ عَمَّا كَانَ يَعْبُدُ آبَاؤُكُمْ ۚ وَقَالُوا

જો ચાહતા હેં કે તુમહેં રોક દે ઉન માબૂદોં સે જિન કી તુમહારે બાપ દાદા ઇબાદત કરતે થે. ઓર યે કહેતે હેં

مَا هَذَا إِلَّا إِنْكَارُكَ مُفْتَرًى ۖ وَقَالَ الَّذِينَ كَفَرُوا لِلْحَقِّ

کہ یہ کورآن نہی ہے مگر جھوٹو جو دس دیا گیا ہے۔ اور کافر لوگ ہک کے متادیلک کےہتے ہئے

لَنَا جَاءَهُمْ ۚ إِنَّ هَذَا إِلَّا سِحْرٌ مُبِينٌ ﴿۳۳﴾ وَمَا آتَيْنَهُمْ

جہ ہک ون کے پاس آیا کے یہ تو مہلن ساہ جہ ہے۔ اور ہم نے ونہے

مِنْ كُتُبٍ يَدْرُسُونَهَا وَمَا أَرْسَلْنَا إِلَيْهِمْ قَبْلَكَ

کیتاہے نہی ہی جن کو وہ پڑھئے اور ہم نے ون کی ترہ آپ سے پہلے کوہی درانے والا رسؤل

مِنْ نَذِيرٍ ۚ وَكَذَّبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۚ وَمَا بَلَغُوا مَعْشَارَ

نہی ہہجہ۔ اور ون لوگوں نے ہہی جھٹلایا جو ون سے پہلے تے۔ اور یہ ون کے دسویں ديسے کو ہہی نہی پڑویے

مَا آتَيْنَهُمْ فَكَذَّبُوا رُسُلِي ۚ فَكَيْفَ كَانَ نَكِيرِ ﴿۳۴﴾ قُلْ

جو ہم نے اگلوں کو دیا تا، کیر ونہے نے مہرے پہامبروں کو جھٹلایا۔ کیر مہرا اناہہ کسسا تا؟ آپ ہرما

إِنَّمَا أَعْظَمُكُمْ بِوَاحِدَةٍ ۚ أَنْ تَقُومُوا لِلَّهِ مَشْئًى وَفَرَادَى

ہیجیے مہتہ سیرف اک تہا کی نسیلہت کرتا ہں یہ کے تہم ہڑے جہو اہلاہ کے دیتے ہو ہو اور تہا تہا،

ثُمَّ تَتَفَكَّرُونَ مَا بِصَاحِبِكُمْ مِنْ جَنَّةٍ ۚ إِنَّ هُوَ إِلَّا نَذِيرٌ لَكُمْ

کیر تہم سوہو کے تہمارے ساہی (نہی) کو کھڑو جہنم نہی ہے۔ وہ تو سیرف تہمارے دیتے اک سہت

بَيْنَ يَدَيْ عَذَابٍ شَدِيدٍ ﴿۳۵﴾ قُلْ مَا سَأَلْتُكُمْ مِنْ أَجْرٍ

انہاہ سے پہلے درانے والا ہے۔ آپ ہرما ہیجیے مہ نے جو اہر تہم سے مانگا ہو

فَهُوَ لَكُمْ ۚ إِنْ أَجْرِيَ إِلَّا عَلَى اللَّهِ ۚ وَهُوَ عَلَى كُلِّ شَيْءٍ

وہ ہہی تہمارے دیتے ہے۔ مہرا اہر تو سیرف اہلاہ کے لہمہ ہے۔ اور وہ ہر تہا پر

شَهِيدٌ ﴿۳۶﴾ قُلْ إِنَّ رَبِّي يَقْذِفُ بِالْحَقِّ عَلَٰمُ الْغُيُوبِ ﴿۳۷﴾

نیگراں ہے۔ آپ ہرما ہیجیے کے مہرا رہ ہک کو دالتا ہے۔ وہ ہڑہی ہڑہی تہا ہڑہی جہتا ہے۔

قُلْ جَاءَ الْحَقُّ وَمَا يُبْدِيُ الْبَاطِلُ وَمَا يُعِيدُ ﴿۳۸﴾ قُلْ

آپ ہرما ہیجیے کے ہک آ گیا اور ہاتیل ن پہلے کھڑ کر سکتا تا اور ن ہوہارا کھڑ کر سکتا۔ آپ ہرما ہیجیے

إِنْ ضَلَلْتُ فَإِنَّمَا أَضِلُّ عَلَىٰ نَفْسِي ۚ وَإِنْ اهْتَدَيْتُ

اگر مہ گمراہی پر ہں تو مہری آت ہی پر مہری گمراہی ہے۔ اور اگر مہ ہدایت پر ہں تو وس کی

فَبِمَا يُوحِي إِلَىٰ رَبِّي ۚ إِنَّهُ سَمِيعٌ قَرِيبٌ ﴿۳۹﴾ وَلَوْ تَرَىٰ إِذْ فَرَغُوا

وہا سے ہے جو مہری ترہ مہرا رہ وہی کر رہا ہے۔ یکنن وہ سہنے والا، کریہ ہے۔ اور کرا آپ ہہتے جہ یہ دہراہو

فَلَا قُوَّةَ وَأُخِذُوا مِنْ مَكَانٍ قَرِيبٍ ۝ وَقَالُوا آمَنَّا

تو ફિર છૂટ નહીં સકેંગે ઓર કરીબી જગા સે પકડ લિયે જાએંગે. ઓર વો કહેંગે કે હમ કુઆન પર

بِهِ ۖ وَأَنَّىٰ لَهُمُ التَّنَاطُشُ مِنْ مَكَانٍ بَعِيدٍ ۝

ઈમાન લે આએ. ઓર ઉન કે હાથ (ઈમાન તક) દૂર જગા સે કહાં પહોંચ સકતે હે?

وَقَدْ كَفَرُوا بِهِ مِنْ قَبْلُ ۖ وَيَقْذِفُونَ بِالْغَيْبِ مِنْ مَكَانٍ

હાલાંકે વો ઉસ કે સાથ ઉસ સે પેહલે કુફ કરતે રહે. ઓર વો બેતહકીક બાતે દૂર હી દૂર સે

بَعِيدٍ ۝ وَحِيلَ بَيْنَهُمْ وَبَيْنَ مَا يَشْتَهُونَ كَمَا فُعِلَ

હંકા કરતે થે. ઓર ઉન કે દરમિયાન ઓર ઉન કી ખ્વાહિશાત કે દરમિયાન આડ કર દી જાએગી જેસા કે ઉન કે

بِأَسْيَافِهِمْ مِّنْ قَبْلُ ۖ إِنَّهُمْ كَانُوا فِي شَكٍّ مُّرِيبٍ ۝

હમમસ્લકોં કે સાથ ઈસ સે પેહલે ક્રિયા ગયા. બેશક વો બડે ભારી શક મેં થે.

رُكُوعًا ۵

(۳۵) سُورَةُ فَاطِرٍ (مَكِّيَّةٌ) (۲۳)

آيَاتُهَا ۲۵

ઓર ૫ રુકૂઅ હે સૂરએ ફાતિર મક્કા મેં નાઝિલ હુઈ ઈસ મેં ૪૫ આયતે હે

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

પળહતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા હે

الْحَمْدُ لِلَّهِ فَاطِرِ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضِ جَاعِلِ الْمَلَكَةِ

તમામ તારીફે અલ્લાહ કે લિયે હે જો આસ્માનો ઓર ઝમીન કો પેદા કરને વાલા હે ઓર ફરશિતો કો પેગામ પહોંચાને વાલા બના કર

رُسُلًا أُولَىٰ أَجْحَدٍ مَّثْنَىٰ وَثُلَاثَ وَرُبْعَ ۖ يَزِيدُ فِي الْخَلْقِ

ભેજને વાલા હે જો ફરશિતે દો દો ઓર ત્રીન ત્રીન ઓર ચાર ચાર પર વાલે હોતે હે. પેદાઈશ મેં ઝયાદતી કરતા હે

مَا يَشَاءُ ۚ إِنَّ اللَّهَ عَلَىٰ كُلِّ شَيْءٍ قَدِيرٌ ۝ مَا يَفْتَحُ اللَّهُ

જિત્ની ચાહતા હે. યકીનન અલ્લાહ હર ચીઝ પર કુદરત વાલા હે. અલ્લાહ ઈન્સાનોં કે

لِلنَّاسِ مِنْ رَحْمَةٍ فَلَا مُمْسِكَ لَهَا ۖ وَمَا يُمْسِكُ ۚ

લિયે રહમત ખોલ દે તો ઉસે કોઈ રોક નહીં સકતા. ઓર જો રોક દે

فَلَا مُرْسِلَ لَهُ مِنْ بَعْدِهِ ۚ وَهُوَ الْعَزِيزُ الْحَكِيمُ ۝

તો અલ્લાહ કે બાદ ઉસ કો કોઈ ભેજ નહીં સકતા. ઓર વો ઝબરદસ્ત હે, હિકમત વાલા હે.

يَا أَيُّهَا النَّاسُ اذْكُرُوا اللَّهَ عَلَيْكُمْ ۚ هَلْ مِنْ

એ ઈન્સાનો! યાદ કરો અલ્લાહ કી ઉસ નેઅમત કો જો તુમ પર હે. કયા અલ્લાહ કે સિવા

خَالِقِ غَيْرُ اللَّهِ يَرْزُقُكُمْ مِّنَ السَّمَاءِ وَالْأَرْضِ لَا إِلَهَ

کوئی پیدا کرنے والا ہے جو تمہیں آسمان اور زمیں سے روزی دے گا؟ کوئی مابعد نہیں

إِلَّا هُوَ ۖ فَإِنِّي تُؤْفَكُونَ ۖ وَإِنِّي يُكَذَّبُونَ ۖ

مگر وہی۔ کیا تم لوٹے ہو؟ اور اگر یہ آپ کو جھوٹا دے

فَقَدْ كُذِّبَتْ رُسُلٌ مِّن قَبْلِكَ وَإِلَى اللَّهِ تُرْجَعُ الْأُمُورُ ۖ

تو آپ سے پہلے بھی لوٹے ہوئے تھے اور اللہ ہی کی طرف سب کچھ لوٹے گا۔

يَا أَيُّهَا النَّاسُ إِنَّ وَعْدَ اللَّهِ حَقٌّ فَلَا تَغُرَّنَّكُمُ الْحَيَاةُ

اے انسانو! یقیناً اللہ کا وعدہ سچا ہے، نہ تمہیں دنیا کی زندگی

الدُّنْيَا ۖ وَلَا يَغُرَّنَّكُم بِاللَّهِ الْغُرُورُ ۖ إِنَّ الشَّيْطَانَ

نہ دھمکے گا۔ اور اللہ سے دھوکہ نہ کھانا (شیطان) دھوکہ دے گا۔ شیطان

لَكُمْ عَدُوٌّ فَاتَّخِذُوهُ عَدُوًّا ۖ إِنَّمَا يَدْعُوا حِزْبَهُ لِيَكُونُوا

تمہارا دشمن ہے، تو تم اسے دشمن سمجھو۔ وہ اپنی جماعت کو بلاتا ہے تاکہ

مِنْ أَصْحَابِ السَّعِيرِ ۖ الَّذِينَ كَفَرُوا لَهُمْ عَذَابٌ

جو جہنمیوں کے لیے ہے۔ جو کفر کیا ان کے لیے سزا

شَدِيدٌ ۖ وَالَّذِينَ آمَنُوا وَعَمِلُوا الصَّالِحَاتِ لَهُمْ مَغْفِرَةٌ

بڑی ہے۔ اور جو ایمان لائے اور نیک اعمال کرتے رہے ان کے لیے مغفرت

وَأَجْرٌ كَبِيرٌ ۖ أَفَمَن زُيِّنَ لَهُ سُوءُ عَمَلِهِ فَرَآهُ حَسَنًا

اور بڑا اجر بڑا ہے؟ کیا اللہ کے لیے جو اس کو اپنے اعمال کی برائی دکھائی گئی تھی اور اس نے اسے

فَإِنَّ اللَّهَ يُضِلُّ مَن يَشَاءُ ۖ وَيَهْدِي مَن يَشَاءُ ۚ

اللہ ہر جس کو چاہے گمراہ کرتا ہے اور ہر جس کو چاہے سیدھی کرتا ہے۔

فَلَا تَذْهَبْ نَفْسُكَ عَلَيْهِمْ حَسْرَتٍ ۚ إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ

نہ تم ان پر افسوس کے ساتھ سوچ سکتے ہو۔ اللہ ہی جاننے والا ہے

بِمَا يَصْنَعُونَ ۝ وَاللَّهُ الَّذِي أَرْسَلَ الرِّيحَ فَتُثِيرُ

جو اٹھاتا ہے وہی ہے جس نے بادلوں کو بکھیرا، اور جو بادلوں کو

سَحَابًا فَسُقْنَهُ إِلَى بَلَدٍ مَّيِّتٍ فَاحْيَيْنَا بِهِ الْأَرْضَ

پانی سے، اور جو اس کو خشک کرتا ہے، اور جو اس سے زمین کو زندہ کرتا ہے

بَعْدَ مَوْتِهَا ۖ كَذَلِكَ النُّشُورُ ﴿٩﴾ مَنْ كَانَ يُرِيدُ

उस के पुश्क डो जाने के बाद. इसी तरह कब्रों से उठना भी होगा. जो ईज्जत चाहता

الْعِزَّةَ فَلِلَّهِ الْعِزَّةُ جَمِيعًا ۖ إِلَيْهِ يَصْعَدُ الْكَلِمُ

है तो अल्लाह ही के लिये है सारी ईज्जत. उसी की तरफ़ पाकीजा कलामे

الطَّيِّبُ وَالْعَمَلُ الصَّالِحُ يَرْفَعُهُ ۖ وَالَّذِينَ يَمْكُرُونَ

यण्डते हैं और नेक अमल उन को बुलन्द करते हैं. और जो बुरी तदबीरें

السَّيِّئَاتِ لَهُمْ عَذَابٌ شَدِيدٌ ۖ وَمَكْرُ أُولَٰئِكَ هُوَ

करते हैं उन के लिये सप्त अजाब है. और उन का मकर नाकाम

يَبْوَرُ ۖ وَاللَّهُ خَلَقَكُمْ مِّنْ تُرَابٍ ثُمَّ مِنْ نُطْفَةٍ

डोगा. और अल्लाह ने तुम्हें पैदा किया है मिट्टी से, फिर नुत्फे से,

ثُمَّ جَعَلَكُمْ أَزْوَاجًا ۖ وَمَا تَحْمِلُ مِنْ أُنْثَىٰ وَلَا تَضَعُ

फिर तुम्हें जोड़े जोड़े बनाया. और कोई मादा डामिला नहीं डोती और न जनती है

إِلَّا بِعِلْمِهِ ۖ وَمَا يُعَمَّرُ مِنْ مُّعَمَّرٍ وَلَا يُنْقَصُ

भगर अल्लाह के इल्म में डोता है. और किसी उम्र वाले को उम्र नहीं डी जाती और न उस की उम्र में से कम

مِّنْ عُمُرٍ إِلَّا فِي كِتَابٍ ۚ إِنَّ ذَٰلِكَ عَلَى اللَّهِ يَسِيرٌ ﴿١٠﴾

किया जाता है भगर वो लखे मडफूज में है. और ये अल्लाह पर आसान है.

وَمَا يَسْتَوِي الْبَحْرَانِ ۚ هَٰذَا عَذْبٌ فُرَاتٌ سَائِغٌ شَرَابُهُ

और डो समन्दर बराबर नहीं है. ये भीठा, प्यास बुजाता है, उस का पीना भुशगवार है,

وَهَٰذَا مِلْحٌ أُجَاجٌ ۖ وَمِن كُلِّ تَاكُوتٍ لَّحْمٌ طَرِيًّا

और ये नमकीन, कडवा है. और डर अक में से तुम भाते डो ताजा गोश्त

وَتَسْتَخْرِجُونَ حُلِيَّةً تَلْبَسُونَهَا ۖ وَتَرَى الْفُلْكَ فِيهِ

और तुम निकालते डो डेवर जिस को तुम पेडेनते डो. और आप कशती को डेभोगे उस में

مَوَآخِرَ لِّتَبْتَغُوا مِنْ فَضْلِهِ ۚ وَلَعَلَّكُمْ تَشْكُرُونَ ﴿١١﴾

भौजों को डडती डुई यलती है, ताके तुम अल्लाह का डजल तलाश करो और ताके तुम शुक्र अडा करो.

يُولِجُ اللَّيْلَ فِي النَّهَارِ وَ يُولِجُ النَّهَارَ فِي اللَّيْلِ ۖ وَ

वो रात को दिन में डामिल करता है और दिन को रात में डामिल करता है. और

سَخَّرَ الشَّمْسَ وَالْقَمَرَ ۖ كُلٌّ يَجْرِي لِإِجَلٍ مُّسَمًّى ۖ

وہ نے سورج اور چاند کو کام میں لگا رکھا ہے۔ سب کے سب بھرتے رہتے چلتے ہوئے مقررہ مدت کے لیے۔

ذِكْرُ اللَّهِ رَبِّكُمْ لَهُ الْمُلْكُ ۖ وَالَّذِينَ تَدْعُونَ

یہی اللہ ہے، اسی کے لیے سب تسلیم ہے۔ اور جن کو تم پکارتے ہو

مِنْ دُونِهِ مَا يَمْلِكُونَ مِنْ قِطْمِيرٍ ۚ إِنَّ تَدْعُوهُمْ

وہ کے سوا وہی بھڑکے کی گھڑی کے گیلے کے بھی مالک نہیں ہیں۔ اگر تم ان کو پکارو

لَا يَسْمَعُوا دُعَاءَكُمْ ۖ وَلَوْ سَمِعُوا مَا اسْتَجَابُوا لَكُمْ ۖ

تو وہ تمہاری پکار سننے سے نہیں۔ اور اگر وہ سنیں بھی تو تمہیں جواب نہیں دے سکیں گے۔

وَيَوْمَ الْقِيَمَةِ يَكْفُرُونَ بَشِرِكُمْ ۖ وَلَا يُنَبِّئُكَ

اور قیامت کے دن وہ تمہارے شریک کا انکار کریں گے۔ اور تمہیں بآہنہ کی طرف سے

مِثْلُ خَبِيرٍ ۚ يَأَيُّهَا النَّاسُ أَنْتُمُ الْفُقَرَاءُ

بہرہ مند نہیں ہو سکتے۔ اے انسانو! تم بھوکے ہو

إِلَى اللَّهِ ۖ وَاللَّهُ هُوَ الْغَنِيُّ الْحَمِيدُ ۚ إِنَّ يَشَاءُ يُدْهِبْكُمْ

اللہ کی طرف سے۔ اور اللہ ہی بے نیاز ہے، بابرہ ہے۔ اگر وہ چاہے تو تمہیں مٹا کر دے

وَيَأْتِ بِخَلْقٍ جَدِيدٍ ۚ وَمَا ذَلِكُ عَلَى اللَّهِ بِعَزِيزٍ ۚ

اور وہ نیا مخلوق پیدا کرے گا۔ اور یہ اللہ کے لیے آسان ہے۔

وَلَا تَزِرُ وَازِرَةٌ وِزْرَ أُخْرَى ۖ وَإِنْ تَدْعُ مُثْقَلَةٌ

اور کوئی بوجھ دوسرے کا بوجھ نہیں اٹھاوے گا۔ اور اگر کوئی بوجھ لگا ہوگا اس کے اٹھانے کو

إِلَى حِمْلِهَا لَا يَحْمِلُ مِنْهُ شَيْءٌ ۖ وَلَوْ كَانَ ذَا قُرْبَىٰ ۖ

(کسی کو) بھلائے تو کوئی بوجھ بھی اس سے اٹھایا نہیں جاسکتا اگرچہ وہ کربھی رشتہ دار ہی نہ ہو۔

إِنَّمَا تُنذِرُ الَّذِينَ يَخْشَوْنَ رَبَّهُم بِالْغَيْبِ وَأَقَامُوا

آپ تو صرف ان کو ڈراتے ہیں جو اپنے رب سے بے ہوشی میں ڈرتے ہیں اور نماز کا

الصَّلَاةَ ۖ وَمَنْ تَرَكْهُ فَإِنَّا يَتْرِكُ لِنَفْسِهِ ۖ

کرتے ہیں۔ اور جو اس کو چھوڑ دے تو ہم اس کو اپنے لیے چھوڑ دے گے۔

وَالِلَّهِ الْبَصِيرُ ۚ وَمَا يَسْتَوِي الْأَعْمَىٰ وَالْبَصِيرُ ۚ

اور اللہ ہی بصر والا ہے۔ اور اندھا اور بینا برابر نہیں ہو سکتے۔

وَلَا الظُّلُمْتُ وَلَا التُّورُ وَلَا الظِّلُّ وَلَا الْحُرُورُ ﴿۲۱﴾

اور اندھیرے اور نور بराबर नहीं हो सकते. और साया और धूप बराबर नहीं हो सकती.

وَمَا يَسْتَوِي الْأَحْيَاءُ وَلَا الْأَمْوَاتُ إِنَّ اللَّهَ يُسْمِعُ

اور जिन्दा और मुर्दे बराबर नहीं हो सकते. यकीनन अल्लाह सुनाते हैं

مَنْ يَشَاءُ ۚ وَمَا أَنْتَ بِمُسْمِعٍ مَّنْ فِي الْقُبُورِ ۚ إِنَّ أَنْتَ

जिसे यादते हैं. और आप उन को नहीं सुना सकते जो कब्रों में हैं. आप तो सिर्फ

إِلَّا نَذِيرٌ ﴿۲۲﴾ إِنَّا أَرْسَلْنَاكَ بِالْحَقِّ بَشِيرًا وَنَذِيرًا

डराने वाले हैं. हम ने आप को उक दे कर बशारत देने वाला, डराने वाला रसूल बना कर भेजा है.

وَإِنْ مِّنْ أُمَّةٍ إِلَّا خَلَا فِيهَا نَذِيرٌ ﴿۲۳﴾ وَإِنْ يَكْذِبُوكَ فَقَدْ

और कोई उम्मत ऐसी नहीं जिस में डराने वाला न आया हो. और अगर ये आप को ज़ुठलायें तो उन

كَذَّبَ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ ۚ جَاءَتْهُمْ رُسُلُهُمْ بِالْبَيِّنَاتِ

लोगों ने भी ज़ुठलाया जो उन से पहले थे. जिन के पास उन के पैगम्बर रोशन मोअजिजात

وَبِالزُّبُرِ ۚ وَبِالْكِتَابِ الْمُنِيرِ ﴿۲۴﴾ ثُمَّ أَخَذْتُ الَّذِينَ

और लिपि हुई किताबों और रोशन किताब ले कर आये थे. फिर मैं ने काफ़िरों को

كَفَرُوا فَكَيْفَ كَانَ نَكِيرٌ ﴿۲۵﴾ أَلَمْ تَرَ أَنَّ اللَّهَ أَنْزَلَ

पक़ लिया, फिर मेरा अज़ाब कैसा था? क्या आप ने देखा नहीं के अल्लाह ने आस्मान

مِنَ السَّمَاءِ مَاءً ۚ فَآخَرَجْنَا بِهِ شَجَرَاتٍ مُّخْتَلِفًا

से पानी उतारा. फिर हम ने उस से इलों को निकाला जिन के रंग

أَلْوَانُهَا ۚ وَمِنَ الْجِبَالِ جُدَدٌ بَيَضٌ وَحُمْرٌ مُّخْتَلِفٌ

मुन्तलिफ़ हैं. और पहाड़ों में सफ़ेद और सुर्भ घाटियां हैं जिन के रंग

أَلْوَانُهَا ۚ وَغَرَابِيبُ سُودٌ ﴿۲۶﴾ وَمِنَ النَّاسِ وَالدَّوَابِّ

मुन्तलिफ़ होते हैं और कुछ गेहरे सियाह होते हैं. और इन्सानों में से और चौपायों में से

وَالْأَنْعَامِ مُخْتَلِفٌ أَلْوَانُهُ كَذَلِكَ ۚ إِنَّمَا يَخْشَى اللَّهَ

और जानवरों में भी इसी तरह मुन्तलिफ़ रंग के (पैदा किये). अल्लाह से उस के बन्दों में से

مَنْ عِبَادُهُ الْعُلَمَاءُ ۚ إِنَّ اللَّهَ عَزِيزٌ غَفُورٌ ﴿۲۷﴾ إِنَّ

सिर्फ़ ईल्म वाले डरते हैं. बेशक अल्लाह ज़बरदस्त है, बप्शने वाला है. यकीनन

الَّذِينَ يَتْلُونَ كِتَابَ اللَّهِ وَأَقَامُوا الصَّلَاةَ وَأَنفَقُوا

જો લોગ અલ્લાહ કી કિતાબ કી તિલાવત કરતે હૈં और नमाज काईम करतें हें और खर्च करतें हें

مِمَّا رَزَقْنَاهُمْ سِرًّا وَعَلَانِيَةً يَرْجُونَ تِجَارَةً

ઉસ મેં સે જો હમ ને ઉન્હેં રોઝી કે તૌર પર દિયા હૈં ચુપકે और અલાનિયા, વો ઉમ્મીદ રખતે હૈં એસી તિજારત કી

لَنْ تَبُورَ ۖ لِيُوقِيَهُمْ أَجُورَهُمْ وَيَزِيدَهُم مِّن فَضْلِهِ ۗ

જો બરબાદ નહીં હોગી. તાકે અલ્લાહ ઉન્હેં ઉન કે સવાબ દે और ઉન્હેં અપને ફઝલ સે મઝીદ દે.

إِنَّهُ غَفُورٌ شَكُورٌ ۝ وَالَّذِي أَوْحَيْنَا إِلَيْكَ

યકીનન વો બખ્શને વાલા, કદરદાન હૈ. और वो किताब जो हम ने आप की तरफ

مِنَ الْكِتَابِ هُوَ الْحَقُّ مُصَدِّقًا لِّمَا بَيْنَ يَدَيْهِ ۚ إِنَّ اللَّهَ

વહી કી વો હક હૈ, સચ્ચા બતલાને વાલી હૈ ઉન કિતાબોં કો જો ઉસ સે પેહલે થીં. યકીનન અલ્લાહ

بِعِبَادِهِ لَخَبِيرٌ بَصِيرٌ ۝ ثُمَّ أَوْرَثْنَا الْكِتَابَ الَّذِينَ

અપને બન્દોં સે બાખબર હૈ, વો દેખ રહા હૈ. ફિર હમ ને કિતાબ કા વારિસ બનાયા ઉન કો જિન્હેં

أَصْطَفَيْنَا مِنْ عِبَادِنَا فَمِنْهُمْ ظَالِمٌ لِّنَفْسِهِ ۖ وَمِنْهُمْ

હમ ને મુતખબ ક્રિયા હમારે બન્દોં મેં સે. ફિર ઉન મેં સે કોઈ તો અપને ઉપર ઝુલ્મ કરને વાલા હૈ. और उन में से

مُقْتَصِدٌ ۖ وَمِنْهُمْ سَابِقٌ بِالْخَيْرَاتِ ۚ بإِذْنِ اللَّهِ ۚ ذَٰلِكَ

કોઈ મયાનારવ હૈ. और उन में से कोई नेकियों में सबकत करने वाला है अल्लाह के हुक्म से.

هُوَ الْفَضْلُ الْكَبِيرُ ۝ جَنَّتٌ عَدْنٌ يَدْخُلُونَهَا

યે બડા ફઝલ હૈ. જન્નાતે અદન મેં વો દાખિલ હોંગે,

يُحَلَّوْنَ فِيهَا مِنْ أَسَاوِرَ مِنْ ذَهَبٍ وَلُؤْلُؤًا وَلِبَاسُهُمْ

વહાં ઉન્હેં સૌને કે કંગન और मोती पहनाये जायेंगे. और उन का लिबास

فِيهَا حَرِيرٌ ۝ وَقَالُوا الْحَمْدُ لِلَّهِ الَّذِي أَذْهَبَ عَنَّا

ઉન મેં રેશમ કા હોગા. और वो कहेंगे के तमाम तारीकें उस अल्लाह के लिये हैं जिस ने हम से गम

الْحَزْنَ ۚ إِنَّ رَبَّنَا لَغَفُورٌ شَكُورٌ ۝ الَّذِي أَحَلَّنَا

દૂર કર દિયા. યકીનન હમારા રબ બહોત ઝયાદા બખ્શને વાલા, કદરદાન હૈ. વો અલ્લાહ જિસ ને હમેં

دَارَ الْمَقَامَةِ مِن فَضْلِهِ ۖ لَا يَمَسُّنَا فِيهَا نَصَبٌ وَلَا

હમેશા કે ઘર મેં અપને ફઝલ સે ઉતારા. जिस में न हमें रंज पड़ोयेगा और न

يَمْسَنَا فِيهَا لُغُوبٌ ﴿١٥﴾ وَالَّذِينَ كَفَرُوا لَهُمْ نَارُ جَهَنَّمَ

થકાવટ પહોચેગી. ઓર વો લોગ જો કાફિર હૈં ઉન કે લિયે જહન્નમ કી આગ હે.

لَا يُقْضَىٰ عَلَيْهِمْ فِيمَوْتُوهَا وَلَا يُخَفَّفُ عَنْهُمْ

ઉન કે મુતઅલ્લિક ફૈસલા નહીં હોગા કે વો મર જાએ, ઓર ન ઉન સે આગ કા અઝાબ હલકા

مَنْ عَذَابُهَا ۚ كَذَلِكَ نَجْزِي كُلَّ كَفُورٍ ﴿١٦﴾ وَهُمْ يَصْطَرِحُونَ

ક્રિયા જાએગા. ઈસી તરહ હમ હર નાશુકરે કો સજા દેંગે. ઓર વો ઉસ મેં ચીખ

فِيهَا ۚ رَبَّنَا أَخْرِجْنَا نَعْمَلْ صَالِحًا غَيْرَ الَّذِي كُنَّا

રહે હોંગે. એ હમારે રબ! તૂ હમેં નિકાલ કે હમ નેક અમલ કરેં ઉસ કે અલાવા જો હમ

نَعْمَلْ ۖ أَوَلَمْ نَعْمَرْكُمْ مَّا يَتَذَكَّرُ فِيهِ مَنْ تَذَكَّرُ وَ

કરતે થે. (તો કહા જાએગા) કયા હમ ને તુમહે ઉમરે નહીં દી થીં જિસ મેં નસીહત હાસિલ કર સકતા થા જો નસીહત

جَاءَكُمْ التَّذْيِيرُ ۖ فذُوقُوا فَمَا لِلظَّالِمِينَ مِنْ نَصِيرٍ ﴿١٧﴾

હાસિલ કરતા ઓર તુમહારે પાસ ડરાને વાલા ભી આયા થા? ફિર તુમ ચખો. ફિર અલિમોં કા કોઈ મદદગાર નહીં.

إِنَّ اللَّهَ عَلِيمٌ غَيْبِ السَّمُوتِ وَالْأَرْضِ ۚ إِنَّهُ عَلِيمٌ

યકીનન અલ્લાહ આસ્માન ઓર ઝમીન કી પોશીદા ચીઝે જાનને વાલા હે. યકીનન ઉસે દિલોં

بِدَاتِ الصُّدُورِ ۚ هُوَ الَّذِي جَعَلَكُمْ خُلَافَ

કે હાલ કા ભી ઇલ્મ હે. ઉસ ને તુમહે ઝમીન મેં જાનશીન

فِي الْأَرْضِ ۖ فَمَنْ كَفَرَ فَعَلَيْهِ كُفْرُهُ ۖ وَلَا يَزِيدُ الْكَافِرِينَ

બનાયા. ફિર જો કુફ કરેગા, તો ઉસી પર ઉસ કે કુફ કા વબાલ પડેગા. ઓર કાફિરોં કા કુફ ઉન કે

كُفْرَهُمْ عِنْدَ رَبِّهِمْ إِلَّا مَقْتًا ۚ وَلَا يَزِيدُ الْكَافِرِينَ

રબ કે યહાં ગુસ્સે હી કો બળહાતા હે. ઓર કાફિરોં કો ઉન કા કુફ

كُفْرَهُمْ إِلَّا خَسَارًا ﴿١٨﴾ قُلْ أَرَأَيْتُمْ شُرَكَاءَ كُمُ الَّذِينَ

બસારે હી મેં બળહાતા હે. આપ ફરમા દીજિયે કયા તુમ ને દેખા અપને શુરકા કો અલ્લાહ

تَدْعُونَ مِنْ دُونِ اللَّهِ ۖ أَرُونِي مَاذَا خَلَقُوا

કે સિવા જિન કો તુમ પુકારતે હો? મુજે દિખાઓ ઉન્હોં ને કયા પૈદા ક્રિયા

مِنَ الْأَرْضِ أَمْ لَهُمْ شِرْكٌ فِي السَّمُوتِ ۚ أَمْ اتَّيْنَهُمْ كِتَابًا

ઝમીન મેં સે યા ઉન કી શિરાકત હે આસ્માનોં મેં? યા હમ ને ઉન્હેં ક્રિતાબ દી હે

فَهُمْ عَلَىٰ بَيِّنَةٍ مِّنْهُ ۚ بَلْ إِن يَبْدُ الظَّالِمُونَ بَعْضُهُمْ

के वो उस की वजह से रोशन रास्ते पर हैं? बल्कि ये आलम उन में से अेक दूसरे से वादा

بَعْضًا إِلَّا غُرُورًا ۚ إِنَّ اللَّهَ يُمْسِكُ السَّمَوَاتِ وَالْأَرْضَ

नहीं करते मगर धोके ही का. बेशक अल्लाह आस्मानों और जमीन को गिरने से थामे

أَنْ تَزُولَا ۚ وَلَئِنْ زَالَتَا إِنْ أَمْسَكَهُمَا مِنْ أَحَدٍ

हुवे है. और अगर वो गिर जायें तो उ-हें अल्लाह के बाद कौन

مِّنْ بَعْدِهِ ۚ إِنَّهُ كَانَ حَلِيمًا غَفُورًا ۝۳۱ وَأَقْسَمُوا بِاللَّهِ جَهْدَ

थाम सकता है? यकीनन वो खिल्म वाला, भडोत जयादा भज्शने वाला है. और ये अल्लाह की कस्में खाते थे पक्की

أَيْمَانِهِمْ لَئِنْ جَاءَهُمْ نَذِيرٌ لَّيَكُونُنَّ أَهْدَىٰ مِنْ إِحْدَىٰ

कस्में के अगर उन के पास डराने वाला आयेगा तो ज़र सारी उम्मतों में सभ से जयादा खिदायत वाले बन

الْأُمَمِ ۚ فَلَمَّا جَاءَهُمْ نَذِيرٌ مَّا زَادَهُمْ إِلَّا نُفُورًا ۝۳۲

जायेंगे. लेकिन जब उन के पास डराने वाला आया तो उन की नफ़रत और बण्डी.

إِسْتِكْبَارًا فِي الْأَرْضِ وَمَكْرَ السَّيِّئِ ۚ وَلَا يَحِيقُ الْمَكْرُ

जमीन में तकब्बुर करने और बुरी तदबीरें करने की बिना पर. और बुरा मकर उस के करने

السَّيِّئِ إِلَّا بِأَهْلِهِ ۚ فَهَلْ يَنْظُرُونَ إِلَّا سُنَّتَ الْأَوَّلِينَ

वालों ही को उलाक करता है. क्या फिर पेडले लोगों के दस्तूर के वो मुन्तज़िर हैं?

فَلَنْ تَجِدَ لِسُنَّتِ اللَّهِ تَبْدِيلًا ۚ وَلَنْ تَجِدَ لِسُنَّتِ اللَّهِ

फ़िर आप अल्लाह के दस्तूर में कोई तबदीली दरगिज नहीं पाओगे. और अल्लाह के दस्तूर में तगाय्युर दरगिज

تَحْوِيلًا ۝۳۳ أَوَلَمْ يَسِيرُوا فِي الْأَرْضِ فَيَنْظُرُوا كَيْفَ

न पाओगे. क्या वो जमीन में यले फ़िरे नहीं के देखते के उन

كَانَ عَاقِبَةُ الَّذِينَ مِنْ قَبْلِهِمْ وَكَانُوا أَشَدَّ مِنْهُمْ

लोगों का अ-जाम कैसा हुवा जो उन से पेडले थे और उन से जयादा कुव्वत

قُوَّةً ۚ وَمَا كَانَ اللَّهُ لِيُعْجِزَهُ مِنْ شَيْءٍ فِي السَّمَوَاتِ

वाले थे? और अल्लाह ऐसा नहीं है के उसे कोई चीज आजिज कर सके आस्मानों में

وَلَا فِي الْأَرْضِ ۚ إِنَّهُ كَانَ عَلِيمًا قَدِيرًا ۝۳۴ وَلَوْ يُؤَاخِذُ

और न जमीन में. यकीनन वो खिल्म वाला, कुदरत वाला है. और अगर अल्लाह

اللَّهُ النَّاسَ بِمَا كَسَبُوا مَا تَرَكَ عَلَى ظَهْرِهَا

ઇન્સાનો کو پکڑے اور کے آما مال کی وجہ سے تو انہی کی پشت پر کسی جاندار کو

مِنْ دَابَّةٍ وَلَكِنْ يُؤَخِّرُهُمْ إِلَىٰ أَجَلٍ مُّسَمًّى ۚ

ن छोड़े, लेकिन अल्लाह उन्हें मोहलत दे रहा है अक वकते मुकर्रर तक.

فَإِذَا جَاءَ أَجَلُهُمْ فَإِنَّ اللَّهَ كَانَ بِعِبَادِهِ بَصِيرًا ۝

ફિર જબ ઉન કા આખિરી વકત આ જાએગા તો યકીનન અલ્લાહ અપને બન્દો કો ખૂબ દેખ રહા છે.

رُكُوعًا ۵

(۳۶) سُورَةُ يَسِينَ مَكِّيَّةٌ (۴۱)

آيَاتُهَا ۸۳

ઔર ۵ રુકૂઅ હે સૂરએ યાસીન મક્કા મેં નાઝિલ હુઈ ઈસ મેં ۸૩ આયતે હે

بِسْمِ اللَّهِ الرَّحْمَنِ الرَّحِيمِ ۝

પળહતા હું અલ્લાહ કા નામ લે કર જો બડા મેહરબાન, નિહાયત રહમ વાલા છે

يَس ۝ وَالْقُرْآنِ الْحَكِيمِ ۝ إِنَّكَ لَمِنَ الْمُرْسَلِينَ ۝

યા સીન. હિકમત વાલે કુર્આન કી કસમ. યકીનન આપ ભેજે હુવે પૈગમ્બરો મેં સે હે.

عَلَىٰ صِرَاطٍ مُّسْتَقِيمٍ ۝ تَنْزِيلَ الْعَزِيزِ الرَّحِيمِ ۝ لِتُنذِرَ قَوْمًا

સીધે રાસ્તે પર હે. યે કુર્આન ઝબરદસ્ત, રહમત વાલે અલ્લાહ કી તરફ સે ઉતારા ગયા છે. તાકે આપ ડરાએ એસી કોમ કો

مَا أَنْذَرَ آبَاؤُهُمْ ۝ فَرُّهُمْ غَفُلُونَ ۝ لَقَدْ حَقَّ الْقَوْلُ

જિન કે બાપ દાદા કો નહીં ડરાયા ગયા છે, ઈસ લિયે વો ગાફિલ હે. યકીનન ઉન મેં સે અકસર પર કોલે હક

عَلَىٰ أَكْثَرِهِمْ ۝ فَرُّهُمْ لَا يُؤْمِنُونَ ۝ إِنَّا جَعَلْنَا فِيْٓ أَعْنَاقِهِمْ أَغْلًا

સાબિત હો ગયા કે વો ઈમાન નહીં લાએંગે. યકીનન હમ ને ઉન કી ગર્દનો મેં તોક રખ દિયે હે,

فَهِيَ إِلَىٰ الْأَذْقَانِ ۝ فَهُمْ مُّقْمَحُونَ ۝ وَجَعَلْنَا مِنْ بَيْنِ

ફિર વો ઠોડિયોં તક પહોંચ ગએ હે ઔર ઉન કે સર ઊંચે હો રહે હે. ઔર હમ ને ઉન કે આગે

أَيْدِيهِمْ سَدًّا ۝ وَمِنْ خَلْفِهِمْ سَدًّا ۝ فَأَعْشَيْنَهُم ۝ فَرُّهُمْ

દીવાર બના દી છે ઔર ઉન કે પીછે દીવાર બના દી છે, ફિર હમ ને ઉન કો ઢાંપ લિયા છે, ઈસ લિયે વો

لَا يُبْصِرُونَ ۝ وَسَوَاءٌ عَلَيْهِمْ ءَأَنْذَرْتَهُمْ أَمْ لَمْ تُنْذِرْهُمْ

દેખ નહીં સકતે. ઔર ઉન પર બરાબર હે યાહે આપ ઉન્હે ડરાએ યા ન ડરાએ,

لَا يُؤْمِنُونَ ۝ إِنَّمَا تُنْذِرُ مَنِ اتَّبَعَ الذِّكْرَ وَخَشِيَ الرَّحْمَنَ

વો ઈમાન નહીં લાએંગે. આપ ઉસી કો ડરા સકતે હે જો ઈસ નસીહત કા ઇત્તિબા કરે ઔર રહમાન સે બેદેખે

بِالْغَيْبِ فَبَشِّرْهُ بِمَغْفِرَةٍ وَأَجْرٍ كَرِيمٍ ۝ إِنَّا نَحْنُ نُحْيِي

۵۷. ફિર આપ ઉસે બશારત દીજિયે મગફિરત ઓર ઇજત વાલે સવાબ કી. હમ હી મુરદો કો ઝિન્દા કરેંગે

الْمَوْتِ وَنُكْتِبُ مَا قَدَّمُوا وَآثَرَهُمْ ۚ وَكُلَّ شَيْءٍ أَحْصَيْنَاهُ

ઓર હમ લિખ રહે હૈં ઉન કે આગે ભેજે હુવે આમાલ ઓર ઉન કે નિશાનાતે કદમ. ઓર હર ચીઝ હમ ને મહફૂઝ કર રખી હે

فِي إِمَامٍ مُّبِينٍ ۝ وَاضْرِبْ لَهُم مَّثَلًا أَصْحَابَ الْقَرْيَةِ

લઘે મહફૂઝ મેં. ઓર આપ ઉન કે લિયે મિસાલ બયાન કીજિયે એક બસ્તી વાલોં કી,

إِذْ جَاءَهَا الْمُرْسَلُونَ ۝ إِذْ أَرْسَلْنَا إِلَيْهِمُ اثْنَيْنِ

જબ ઉન કે પાસ ભેજે હુવે આદમી આએ. જબ હમ ને ઉન કી તરફ દો રસૂલ ભેજે,

فَكَذَّبُوهُمَا فَعَزَّزْنَا بِثَالِثٍ فَقَالُوا إِنَّا إِلَيْكُم مُّرْسَلُونَ ۝

તો ઉન્હો ને ઉન કો જુઠલયા, ફિર હમ ને તીસરે કો તકવિયત કે લિયે ભેજા, ફિર ઉન તીનો ને કહા હમ તુમહારી તરફ ભેજે ગએ હૈં.

قَالُوا مَا أَنْتُمْ إِلَّا بَشَرٌ مِّثْلُنَا ۚ وَمَا أَنْزَلَ الرَّحْمَنُ

વો બોલે કે તુમ નહીં હો મગર હમ જૈસે એક ઇન્સાન ઓર રહમાન તઆલા ને કુછ ભી

مِنْ شَيْءٍ ۚ إِنْ أَنْتُمْ إِلَّا تَكْذِبُونَ ۝ قَالُوا رَبَّنَا يَعْزِمُ

નહીં ઉતારા. તુમ તો સિફ જૂઠ બોલતે હો. ઉન્હો ને કહા કે હમારા રબ જાનતા હે

إِنَّا إِلَيْكُم لَمُرْسَلُونَ ۝ وَمَا عَلَيْنَا إِلَّا الْبَلَاغُ الْمُبِينُ ۝

કે બેશક હમ તુમહારી તરફ ભેજે ગએ હૈં. ઓર હમારે ઝિમ્મે તો સિફ સાફ સાફ પહોંચા દેના હે.

قَالُوا إِنَّا تَطَيَّرْنَا بِكُمْ ۚ لَئِنْ لَمْ تَنْتَهُوا لَنَرْجِمَنَّكُمْ

વો બોલે કે હમ તુમ્હે મન્હૂસ સમજતે હૈં. અગર તુમ બાઝ નહીં આઓગે તો હમ તુમ્હે રજમ કર દેંગે

وَلَيَمَسَّنَّكُم مِّنَّا عَذَابٌ أَلِيمٌ ۝ قَالُوا طَائِرُكُمْ مَعَكُمْ ۚ

ઓર તુમ્હે હમારી તરફ સે દદનાક સઝા મિલેગી. તો વો તીનોં કેહને લગે તુમહારી નહૂસત તુમહારે સાથ હે. કયા

إِن دُكِّرْتُمْ بَلْ أَنْتُمْ قَوْمٌ مُّسْرِفُونَ ۝ وَجَاءَ

અગરયે તુમ્હે નસીહત કી જાએ તબ ભી? બલકે તુમ એસી કૌમ હો જો હદ સે તજાવુઝ કરતે હો. ઓર શેહર કે

مِنْ أَقْصَا الْمَدِينَةِ رَجُلٌ يَّسْعَى قَالَ يَاقَوْمِ اتَّبِعُوا الْمُرْسَلِينَ ۝

કિનારે સે એક આદમી આયા દૌડતા હુવા, ઉસ ને કહા કે એ મેરી કૌમ! તુમ ઉન રસૂલોં કા ઇતિબા કર લો.

اتَّبِعُوا مَنْ لَا يَسْأَلُكُمْ أَجْرًا وَهُمْ مُّهْتَدُونَ ۝

તુમ ઉન કા ઇતિબા કર લો જો તુમ સે બદલા નહીં માંગતે ઓર જો હિદાયતયાફતા હૈં.